आवस्यकता है
दैनिक उजाला हितैषी एक्सप्रेस
हिंदी समाचार पत्र
में उत्तरप्रदेश के
सभी जनपदों से
पत्रकारों की संपर्क
करें 9953840820

हापुड़ उत्तरप्रदेश से प्रकाशित, दिल्ली,गाजियाबाद,नोएडा,शामली,अमरोहा,मेरठ,लखनऊ से प्रसारित

दैनिक उजाला हितैषी एक्सप्रेस

सबका हित सबका विकास

वर्ष : 5 | अंक : 153 | हापुड़, शुक्रवार 20 दिसंबर 2024 | RNI.NO. UPHIN/2020/86789 | मूल्य:03 | पेज़: 06

नीतीश ने महेन्द्र मलंगिया को साहित्य अकादमी पुरस्कार मिलने पर दी बधाई

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सुप्रसिद्ध मैथिली साहित्यकार महेन्द्र मलंगिया को वर्ष 2024 का साहित्य अकादमी पुरस्कार मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अपनी शुभकामनाएं दी हैं। मधुबनी जिला के रहिका प्रखण्ड के मलंगिया के निवासी मैथिली साहित्यकार महेन्द्र मलंगिया को उनके मैथिली निबंध श्रेणी 卐प्रबंध संग्रह卐 के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार-2024 दिया गया है। मुख्यमंत्री ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि यह बिहार के लिए बेहद गौरव की बात है। बिहार के सपूत को मैथिली साहित्य में साहित्य अकादमी पुरस्कार मिलना नई पीढ़ी को प्रेरणा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा है कि बिहार से ताल्लुक रखने वाले रचनाकार की इस उपलब्धि पर सम्पूर्ण बिहारवासियों को गर्व है।

जयपुर में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

जयपुर । जयपुर में आदर्श नगर के दशहरा मैदान में बृहस्पतिवार को एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार सुबह सैर पर निकले लोगों ने शव पेड़ पर लटका देख पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बताया कि युवक की उम्र करीब 30 साल है और जिस स्थान पर शव लटका हुआ था उसके पास जमीन पर लिखा था 'ये मेरे पापों का प्रतिफल है'। पुलिस ने बताया कि शव को एसएमएस अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया गया है। शव की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

राहुल गांधी किसी को धक्का नहीं देंगे या बुरा व्यवहार नहीं करेंगे- उमर

श्रीनगर । जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इस दावे को खारिज कर दिया कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद परिसर में सत्तारूढ़ पार्टी के दो सदस्यों को धक्का दिया। अब्दुल्ला ने कहा कि बुरा या अशिष्ट होना राहुल गांधी के स्वभाव में नहीं है। अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''मैं राहुल को जानता हूं, वह सांसद तो क्या किसी आम आदमी को भी धक्का नहीं देंगे। किसी के साथ अशिष्ट या बुरा व्यवहार करना उनके स्वभाव में ही नहीं है।''संविधान निर्माता बी आर आंबेडकर के कथित अपमान को लेकर संसद परिसर में विपक्ष और राजग सांसदों के बीच हुई धक्का-मुक्की में पूर्व मंत्री प्रतापचंद्र सारंगी घायल हो गए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर सारंगी को धक्का देने का आरोप लगाया हालांकि कांग्रेस नेता ने इस आरोप को खारिज कर दिया। कांग्रेस ने दावा किया कि भाजपा सांसदों ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को धक्का दिया और लोकसभा में विपक्ष के नेता के साथ ''धक्का मुक्की'' की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लिखे एक पत्र में कांग्रेस के वरिष्ठ सांसदों ने उनसे इस घटना की जांच शुरू करने को कहा।

विपक्ष के हंगामे के बीच विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिये स्थगित

लखनऊ । विपक्षी दलों के हंगामे के बीच उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र की कार्यवाही गुरुवार दोपहर को अनिश्चितकाल के लिये स्थगित कर दी गयी। आज सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरु होते ही मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्य वेल पर आकर हंगामा करने लगे। सपा सदस्य संविधान निर्माता बाबा साहब डा भीमराव अंबेडकर के अपमान और बुधवार को सपा सदस्य के निष्कासन का विरोध कर रहे थे। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने विपक्षी सदस्यों को समझाने और अपनी सीट पर जाने का अनुरोध किया जिसे अनसुना कर दिया गया। भारी हंगामे के बीच विधायी कार्य जारी रहे और एक एक कर सभी बिल पारित किये गये। श्री महाना ने विपक्षी सदस्यों के समझाने के प्रयास निर्रथक साबित होता देख सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिये स्थगित कर दी और अनुपूरक बजट पर चर्चा नहीं हो सकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आज शाम तीन बजे सदन को संबोधित करना था।

उत्तर प्रदेश के गोंडा में सड़क दुर्घटना में दो सगे भाइयों की मौत

गोंडा । गोंडा में एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर 10 फुट गहरे गड्ढे में गिरने और फिर पेड़ से टकराने के कारण दो भाइयों की मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। हादसा बुधवार को इटियाथोक-खरगूपुर मार्ग पर बेंदुली मोड़ पर हुआ। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (पूर्व) मनोज कुमार रावत ने कहा, 'हादसे में परशराम पुर गांव के रहने वाले अजय (35) और दिलीप (27) की मौत हो गई। पंजाब के बठिंडा में काम करने वाला अजय ट्रेन से गोंडा जंक्शन पर पहुंचा था। दिलीप उसे बुलेट मोटरसाइकिल पर लेने गया था। दुर्घटना उस समय हुई जब वे घर लौट रहे थे।'थाना प्रभारी (एसएचओ) शेषमणि पांडे ने कहा कि दोनों पीड़ितों ने हेलमेट नहीं पहन रखा था और उन्हें सिर व शरीर के दूसरे हिस्सों पर चोट लगीं। उन्होंने कहा, 'अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उनकी मौत हुई।'बेन्दुली मोड़ पर कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। एसएचओ पांडे ने कहा, 'पिछले दो वर्ष में इस स्थान पर सड़क दुर्घटनाओं में 10 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। चार अक्टूबर को भी इसी तरह की घटना में 'एसयूवी' कार में यात्रा कर रहे चार युवकों की मौत हो गई थी।'

राहुल गांधी और कांग्रेस ने लोकतांत्रिक मर्यादाओं की धज्जियां उड़ा दी- शिवराज

नई दिल्ली । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज चौहान ने संसद में घायल हुए सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत से अस्पताल में भेंट कर उनका हाल जाना। शिवराज चौहान ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस ने जो गुंडागर्दी की है, उसका दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। ऐसा आचरण आज तक संसदीय इतिहास में देखा नहीं गया। ये संसद के इतिहास में काला दिन है, लोकतांत्रिक मर्यादाओं की धज्जियां उड़ा दी गई। शिवराज सिंह ने कहा कि अमित शाह जी ने अपने भाषण में कांग्रेस की जो पोल खोली, उसकी खीज इतनी कि ये गुंडागर्दी पर उतर आए हैं। उन्होंने कहा कि सांसद सारंगी घायल हैं, उनके सिर से ब्लीडिंग हो रही थी, उनकी आंख के पास टांके लगाए गए हैं। सांसद मुकेश राजपूत यहां एडमिट हैं, उन्हें घबराहट हो रही है और बीपी बढ़ा हुआ है। दोनों को देखकर मन पीड़ा से भर गया। जो सांसद वहां थे वो गवाह हैं कि किसने धक्का-मुक्की की और किसने गुंडागर्दी की। सारे वैधानिक कदम उठाए जाएंगे।

कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र के खिलाफ

नई दिल्ली । (भाजपा) सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि संसद में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र के खिलाफ है। कांग्रेस ने हमेशा ही लोकतंत्र की हत्या की है स्वराज ने 1975 का जिक्र किया। सत्तर के दशक में कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या की थी। अब कांग्रेस संविधान को लहराकर पाखंड रच रही है। कांग्रेस ने सदैव बाबा साहेब आंबेडकर का अपमान किया है। उसके लिए कांग्रेस और उसके नेताओं को देश से माफी मांगनी चाहिए। अगर किसी ने संविधान को जीवंत रूप में देश में लागू किया है तो वो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं।

शाह की टिप्पणी ने आंबेडकर की गरिमा को ठेस पहुंचाई है, उन्हें अपनी टिप्पणी वापस लेनी चाहिए- मायावती

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने बी आर आंबेडकर की गरिमा को ठेस पहुंचाई है और उन्हें अपनी टिप्पणी वापस ले लेनी चाहिए।

बसपा नेता ने कहा कि भाजपा नेता की टिप्पणी ने दलित मसीहा की गरिमा को ठेस पहुंचायी है, और उनके अनुयायियों को अपमानित एवं आहत किया है। मायावती ने यहां पत्रकार वार्ता में कहा, ''जैसा कि सर्वविदित है कि संसद में भाजपा के श्री अमित शाह द्वारा भारतीय संविधान के मूल निर्माता तथा दलितों व अन्य उपेक्षित वर्गों के पूज्य भगवान एवं मसीहा परम पूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के बारे में इस्तेमाल किए गए शब्दों से बाबा साहेब की गरिमा एवं अस्तित्व को गहरी ठेस पहुंची है।''उन्होंने कहा, ''हमारी पार्टी का मानना है कि इससे उनका एक तरह से अपमान हुआ है, जिससे पूरे देश में उनके अनुयायियों में जबरदस्त रोष एवं आक्रोश है, और मैं कहूंगी कि उन्हें जल्द ही अपने इन शब्दों को वापस लेना चाहिए तथा इसके लिए पश्चाताप भी करना चाहिए। अन्यथा उनके अनुयायी इस घटना को कभी नहीं भूल पाएंगे और न ही उन्हें कभी माफ कर पाएंगे।'मायावती ने कांग्रेस पर अतीत में अंबेडकर को उचित सम्मान न देने का आरोप लगाते हुए उसकी आलोचना की।

उन्होंने आरोप लगाया कि बाबा साहब की मृत्यु के बाद कांग्रेस पार्टी ने वोट की राजनीति के लिए इतिहास के पन्नों से उनका नाम और संविधान निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान को मिटाने का काम किया।

भाजपा सांसदों ने हमें संसद भवन में जाने से रोका, धमकाया - राहुल

नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के धक्का-मुक्की के आरोपों को खारिज करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि सत्तापक्ष के सदस्यों ने विपक्षी सांसदों को संसद भवन में जाने से रोका और धमकी दी। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''मैं संसद के अंदर जाने की कोशिश कर रहा था। लेकिन भाजपा के सांसद मुझे रोकने की कोशिश कर रहे थे, धक्का दे रहे थे और धमका रहे थे।''राहुल गांधी ने दावा किया कि विपक्षी नेताओं के साथ धक्का-मुक्की की गई, लेकिन इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस नेता ने कहा, ''यह संसद है और अंदर जाना हमारा अधिकार है।''अक्सर सफेद रंग टी-शर्ट पहनने वाले राहुल गांधी बृहस्पतिवार को नीले रंग की टी-शर्ट पहनकर संसद पहुंचे। उन्होंने कहा कि मुख्य मुद्दा यह है कि संविधान और बाबासाहेब की स्मृति का अपमान हुआ है। भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने धक्का-मुक्की की, जिसके कारण उसके सांसद प्रताप सारंगी गिर गए और उनके सिर में चोट लग गई।

जिनका मन 'विद्वेष' से भरा है वो 'देश' क्या चलाएंगे - अखिलेश ने भाजपा पर साधा निशाना

लखनऊ । समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि जिनका मन 'विद्वेष' से भरा है वो 'देश' क्या चलाएंगे। यादव ने 'एक्स' पर कहा, ''जिनका मन 'विद्वेष' से भरा है वो 'देश' क्या चलाएंगे। आज जो हुआ वो सिर्फ़ बाबासाहेब का ही नहीं, उनके दिये संविधान का भी अपमान है। ये भाजपा की नकारात्मक मानसिकता का एक और चरम बिंदु है।''यादव ने अपने पोस्ट में कहा,'' देश ने आज जान लिया है कि भाजपा के लोगों के मन में बाबासाहेब को लेकर कितनी कटुता भरी है। वे बाबासाहेब के बनाये संविधान को अपना सबसे बड़ा विरोधी मानते हैं क्योंकि उनको लगता है कि वे जिस प्रकार ग़रीब, वंचित, दमित का शोषण करके, उनके ऊपर अपना प्रभुत्व कायम करना चाहते हैं, उनकी इस मंशा के आगे संविधान ढाल बनकर खड़ा है।'

मोदी सरकार के तहत भारत रक्षा क्षेत्र में 'अभूतपूर्व' गति से आगे बढ़ रहा है - राजनाथ

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत आधुनिक हथियारों और तकनीक के मामले में पीछे रह गया था, लेकिन मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद यह रक्षा क्षेत्र में ''अभूतपूर्व'' गति से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा है। सिंह ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक युद्धकला तेजी से बदल रही है और राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए उच्चस्तरीय तकनीक अपनाये जाने की जरूरत है। रक्षा मंत्री ने वैज्ञानिकों और इंजीनियरों से बदलते समय के अनुरूप कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और 'क्वांटम कंप्यूटिंग' जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों पर पकड़ मजबूत करने का आह्वान किया तथा उनसे भारत की विरासत को कभी न भूलने का आग्रह किया। सिंह आईआईटी दिल्ली में भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी के वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ये विशिष्ट प्रौद्योगिकियां आने वाले समय में लगभग हर क्षेत्र को बड़े पैमाने पर प्रभावित करेंगी। उन्होंने कहा, ''अभी हम शुरुआती चरण में हैं। हमारा लक्ष्य सबसे पहले इन तकनीकों पर पकड़ मजबूत करना होना चाहिए, ताकि भविष्य में इनका उपयोग लोगों के कल्याण के लिए किया जा सके और उनकी तत्काल बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।''सिंह ने कहा कि दुनिया निरंतर विकसित हो रही है और रक्षा क्षेत्र इस परिवर्तन से बचा नहीं रह सकता। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सिंह ने कहा कि पहले कुछ कारणों से भारत आधुनिक हथियारों और तकनीक के मामले में पीछे रह गया था, लेकिन जब से मोदी सरकार सत्ता में आई है, देश अभूतपूर्व गति से रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ा है। उन्होंने कहा, ''आधुनिक युद्धकला में तेज गति से बदलाव हो रहा है, इसलिए उच्च तकनीक को अपनाने की जरूरत है। इस दिशा में हमने युवाओं की प्रतिभा को सामने लाने के लिए रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (आईडीईएक्स) और प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ) जैसी योजनाएं शुरू की हैं, जिसके माध्यम से उनके साथ-साथ देश के सपने भी साकार हो सकते हैं।''सिंह ने कहा कि भारत एक निर्णायक दौर से गुजर रहा है, क्योंकि वह उन हथियारों का भी निर्यात कर रहा है, जिनका वह कभी आयात करता था। उन्होंने इस ''क्रांतिकारी परिवर्तन'' का श्रेय सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों, शिक्षाविदों, इंजीनियरों और नवोन्मेषकों के सामूहिक प्रयासों को दिया और विश्वास जताया कि देश जल्द ही वैश्विक क्षेत्र में एक सशक्त तकनीकी बढ़त हासिल कर लेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देश शीघ्र ही वैश्विक क्षेत्र में तकनीकी रूप से मजबूत बढ़त हासिल कर लेगा। रक्षा मंत्री ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के सहयोग से देश के वैज्ञानिक विकास में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) की भूमिका की सराहना की। साथ ही उन्होंने उद्योग, अनुसंधान एवं विकास संगठनों और शिक्षाविदों के बीच और भी बेहतर संबंध स्थापित करने का आह्वान किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि विकसित देशों में शैक्षणिक परिसर अग्रणी प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सिंह ने कहा, ''भारत इस समय सबसे युवा देश है। हमारे युवाओं में नया करने का जुनून और क्षमता है। हमारी सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। हम उनके नवाचार को प्रोत्साहित करते हैं और उनकी जरूरतों के हिसाब से उन्हें निधि उपलब्धह कराते हैं।''उन्होंने कहा, ''भारत आज नवाचार और 'स्टार्ट-अप' का केंद्र बन गया है, जिसकी वजह से हम लगातार तकनीकी कौशल हासिल कर रहे हैं। हम हमेशा अपने इंजीनियरों और नवोन्मेषकों के साथ खड़े रहेंगे। हमारे संयुक्त प्रयासों से हम 'आत्मनिर्भर भारत' के अपने सपने को साकार करेंगे।''

आंबेडकर आधुनिक भारत के भगवान, उनका अपमान नहीं सहेंगे - केजरीवाल

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी आंबेडकर को लेकर संसद में दिए गए बयान पर गुरुवार को भी हमलावर रही। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नई दिल्ली स्थित वाल्मिकी मंदिर पहुंचकर पूजा की। वहां आयोजित सभा में उन्होंने कहा कि बाबा साहब आंबेडकर आधुनिक भारत के भगवान हैं। उनका अपमान करने वाली भाजपा का हम हर स्तर पर विरोध करेंगे। वाल्मिकी मंदिर में पूजा के बाद आयोजित सभा में केजरीवाल ने कहा कि संसद इस देश की सबसे बड़ी पंचायत है। यहां पूरे देश से जनप्रतिनिधि बैठते हैं और देश की समस्याओं पर चर्चा करते हैं। उसी संसद में संविधान निर्माता बाबा साहब आंबेडकर के लिए दिया गया बयान पीड़ादायक है। केजरीवाल ने कहा कि मैं खुद को बाबा साहब का प्रशंसक ही नहीं बल्कि उनका भक्त मानता हूं। मैंने पहले भी उनके बारे में बहुत पढ़ा है, लेकिन जब मैं जेल गया तो मैंने उनकी जीवनी कई बार पढ़ी। उन्होंने देश के शोषितों, वंचितों को अधिकार दिया। संविधान में उनके अधिकार तय किए। ऐसे व्यक्ति का अपमान किया गया है। हमने बाबा साहब के सम्मान में उनकी तस्वीर सरकारी कार्यालयों में लगाना अनिवार्य किया है। दिल्ली सरकार के सारे स्कूलों के अंदर हमने बाबा साहब के जीवन को पढ़ाना शुरू कर दिया ताकि हर बच्चे को उनके जीवन से प्रेरणा मिल सके। उनसे प्रभावित होकर हमने शिक्षा को महत्व दिया है। झुग्गियों में जाना भाजपा की मजबूरी केजरीवाल ने दिल्ली भाजपा द्वारा झुग्गी प्रवास पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि अगर बाबा साहब ने वोट का अधिकार नहीं दिया होता तो ये भाजपा वाले आज झुग्गियों में नहीं जाते। भाजपा वालों का झुग्गियों में जाकर रहना मजबूरी है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता सिर्फ वोट के लिए दलित के यहां भोजन करने का दिखावा करते हैं। ये उनका सम्मान या चिंता नहीं बल्कि वोट के लिए करते हैं। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि भाजपा बाबा साहब का अपमान कर रही है। बाबा साहब के संविधान को तार-तार कर रही है। इन्होंने हमेशा आरक्षण, संविधान और दलितों को दिए जाने वाले अधिकारों का विरोध किया है। जो आज बाबा साहब का अपमान कर रहे हैं, दिल्ली के लोग उन्हें जवाब देंगे। दिल्लीवाले इस अपमान का बदला आने वाले चुनाव में लेंगे। पूर्व सीएम ने लोगों शपथ दिलाई अरविंद केजरीवाल ने लोगों को शपथ दिलाई कि भाजपा ने हमेशा बाबा साहब और उनके द्वारा लिखे गए संविधान का अपमान किया है। संसद में भाजपा ने बाबा साहब का घोर अपमान किया है।

मैं बाबा साहब आंबेडकर जी को अपना आदर्श मानता हूं और इसीलिए शपथ लेता हूं कि मैं हर स्तर पर भाजपा का विरोध करूंगा। इस शपथ पर घर-घर जाकर लोगों से हस्ताक्षर करवाना है। केजरीवाल ने इस मौके पर नारा दिया जो बाबा साहब से करे प्यार, वो भाजपा से करे इन्कार।

राहुल नीली टीशर्ट, प्रियंका नीली साड़ी पहने दिखीं....नारे लगाए जय भीम, जय भीम

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के अपमान का आरोप लगाने वाली कांग्रेस अब मामले पर नैरेटिव खड़ा करने में जुट गई है। देश भर में कांग्रेस ने अमित शाह और भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन का ऐलान किया है। वहीं प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी भी गुरुवार को नए रंग में दिखाई दिए। राहुल गांधी नीली टीशर्ट में संसद पहुंचे, वहीं प्रियंका गांधी ने नीली साड़ी पहने दिखाई दी थी। बहुजन आंदोलन से जुड़े संगठनों के लोग नीले रंग का इस्तेमाल अपने झंडे और अन्य सामग्री में करते रहे हैं। नीले रंग को बहुजन आंदोलन के प्रतीक के तौर पर देखा जाता है। इसके बाद राहुल और प्रियंका गांधी ने गुरुवार को नीले रंग के कपड़े पहनकर बड़ा राजनीतिक संकेत देने की कोशिश की है। प्रियंका और राहुल गांधी के नेतृत्व में संसद भवन परिसर के बाहर विपक्षी नेताओं ने प्रदर्शन किया।

इस दौरान सांसदों ने जय भीम, जय भीम के नारे लगाए। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री शाह माफी मांगों के नारे भी लगाते दिखे। इस प्रदर्शन में सपा सांसद रामगोपाल यादव और उद्धव सेना के संजय राउत ने भी हिस्सा लिया। संजय राउत भी नीली शर्ट में दिखे, वहीं रामगोपाल यादव ने नीली जैकेट पहन रखी थी। वहीं राउत ने कहा कि यदि शाह से गलती हुई है, तब माफी मांग लें। संभव है कि उनकी जुबान फिसल गई हो, लेकिन इसके लिए माफी मांग लेने में कुछ भी गलत नहीं है। राउत ने कहा, भाजपा के पास कोई काम नहीं बचा है। डॉ. आंबेडकर के खिलाफ कुछ बोल ही दिया, तब माफी मांग लेने से कोई अपराध नहीं होगा। वह वास्तव में ऐसी शख्सियत हैं, जिन्हें लोग भगवान की तरह मानते हैं। उन्होंने देश के पिछड़े समाज को गरिमा प्रदान की थी और वे उन्हें भगवान की तरह या फिर उससे भी ज्यादा मानते हैं। आपने उनके खिलाफ गलत शब्दों का इस्तेमाल किया हैं, इसलिए माफी मांग लीजिए।'वहीं केंद्रीय मंत्री गिरीराज सिंह ने कहा कि बाबासाहेब के खिलाफ जो सबसे बड़ा पापी है, वह कांग्रेस पार्टी है। इन लोगों के पूरे खानदान ने भारत रत्न लिया, लेकिन बाबा साहब को नहीं दिया। अपने पाप को छिपाने के लिए कांग्रेस जोर से बोल रही है।

आंबेडकर के साथ कांग्रेस ने जो पाप किया है, उसके लिए प्रायश्चित करे और माफी मांगे। सभी लोग मौन रहकर उपवास करें। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि कांग्रेस का वही हाल है कि चोर बोले जोर से। उन्होंने कहा कि यही लोग थे, जिन्होंने बाबासाहेब को चुनाव में हराया और उनका अपमान किया।

संपादकीय

चेरापूंजी जहां होती है दुनिया की सबसे ज्यादा बारिश, यहां और भी बहुत कुछ है खास

पहाड़ों पर बरसात का मौसम बहुत ही खूबसूरत और रोमांटिक होता है और फिर चेरापूंजी में तो 12 महीने बरसात होती ही रहती है। सबसे ज्यादा बारिश का रिकॉर्ड दर्ज होने की वजह से चेरापूंजी को वेटेस्ट प्लेस ऑफ द वर्ड तथा बारिश की राजधानी भी कहा जाता है। सदाबहार मौसम के कारण ही यहां साल भर टूरिस्ट्स का आना-जाना लगा रहता है। मेघालय की राजधानी शिलांग से चेरापूंजी केवल 56 किमी. दूर है। रास्ते में चढ़ाई है, लेकिन ज्यादा नहीं। ऊंची-नीची पहाड़ियों और टेडे-मेडे रास्तों से गुजरते हुए आप कब चेरापूंजी पहुंच जाएंगे, पता भी नहीं चलेगा। चेरापूंजी के चारों तरफ पहाड़ और घाटियां हैं। यहां फर्न, चीड़ और ऐरोकेरिया के पेड़, कई तरह के लोकल फ्रूट्स, संतरा और अन्नानास बहुत होते हैं। कुछ खास किस्म की घास और फूल भी देखने को मिलते हैं। यहां की खासी जाति का मुख्य व्यवसाय जंगली उपज ही है। ये लोग सौंदर्य प्रेमी होते हैं। कलात्मक कपड़ों, शालों व सजावटी चीज़ों को बनाते हैं और उन्हें बेचते भी हैं। इनके घर बड़े सुंदर होते हैं, अपनी धरती, धर्म, समाज और रीति-रिवाज के प्रति ये बहुत ही आस्थावान होते हैं। सोहरा नाम है इसका - मेघालय आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों के इस पसंदीदा जगह का नाम अब बदल गया है। इसका नाम पहले भी सोहरा था और अब फिर से सोहरा हो गया है। ब्रिटिश शासकों ने सन् 1830 में चेरापूंजी को अपना क्षेत्रीय मुख्यालय बनाया था। अंग्रेजों को इसके तत्कालीन नाम सोहरा के उच्चारण में काफी दिक्कत होती थी। वे लोग इसे चेरा कहने लगे। उसके बाद स्थानीय लोगों ने बादलों के समूह को देखते हुए इस नाम में पूंजो जोड़ दिया जो बाद में चेरापूंजी हो गया, लेकिन चेरापूंजी को उसका असली नाम देने की मांग जोर पकड़ने लगी और जन आंदोलन के बाद राज्य सरकार ने इसका नाम बदल कर फिर से सोहरा करने का फैसला किया। होती है रिकॉर्ड बारिश - चेरापूंजी या सोहरा के नाम बारिश के कई रिकॉर्ड दर्ज है। गिनीज बुक ऑफ वर्ड रिकॉर्ड के अनुसार यहां एक ही साल में सबसे ज्यादा बारिश 22 हजार 987 मि.मि. एक अगस्त 18 60 से जुलाई 1861 के बीच हुई थी। एक महीने में सबसे ज्यादा बारिश भी जुलाई 1861 में 9300 मि.मि. दर्ज की गई। एक दिन में सबसे ज्यादा 61 इंच बारिश का रिकॉर्ड भी सोहरा के नाम ही दर्ज हैं। इन सबके बावजूद पिछले कुछ सालों से यहां बरसात कम होने लगी हैं और मोहसिनराम में यहां से अधिक वर्षा होती है। खैर, बारिश कम हो या ज्यादा, लेकिन होती बहुत खूब हैं। अपनी अद्भुत व आकर्षक नैसर्गिक छटा के कारण ही चेरापूंजी के आसपास स्थित झरने और नेचुरल ब्यूटी टूरिस्ट्स को लुभाती रही है। खूबसूरत झरने -चेरापूंजी की सबसे आकर्षक जगह है नोहकलिकाई जलप्रपात, काफी उंचाई से गिरता यह दूधिया झरना अपने में एक मार्मिक कथा समेटे हुए है। कहते हैं कि लिकाई नाम की एक महिला जब एक दिन अपने काम पर से घर लौटी तो उसने अपने बच्चे के लिए पति से पूछताछ की। पति ने कहा कि बच्चे को काट कर खाने के लिए पका लिया है। सुनते ही लिकाई सदमे से भर गई और इस झरने में कूद पड़ी। तभी से इस झरने का नाम नोहकलिकाई पड़ा । वैसे तो व्यू प्वाइंट से झरने का समग्र स्वरुप देखा जा सकता है, लेकिन ठेठ नीचे तक जाने के लिए सीढ़ियां भी बनी हुई हैं। रामकृष्ण मिशन संस्थान - चेरापूंजी में एक सबसे पुराना रामकृष्ण मिशन संस्थान है। यहां के विद्यार्थी हिंदी, अंग्रेजी, खासी, बंगला भाषाओं के ज्ञाता हैं। यहां ऊनी कपड़े, कलात्मक वस्तुएं, जड़ी बूटियों से दवा बनाने आदि का काम होता हैं। पूरा संस्थान अपनी भव्यता, शांति, सफाई और अलग-अलग एक्टिविटीज के लिए मशहूर है। मोसमाई की गुफाएं - चेरापूंजी से 5 किमी. दक्षिण में बसा नोह संगीथियांग प्रपात और मौसमाई प्रपात है। मौसमाई ग्राम के निकट जंगल में गुफाएं प्रकृति की अपनी विशिष्ठ रचना है। यहां चूने के पत्थरों के साथ पानी के मेल से अजीबोगरीब अश्चुताष्म एवं निश्चुताष्म आकृतियां बन गई है, जो पर्यटकों को बेहद आकर्षित करती हैं। गुफा में घुटनों तक पानी भरा होता है। पत्थरों की उंची-नीची, चिकनी और तीखी, कहीं संकरी और कहीं चौड़ी आकृतियों पर चलना, चढ़ना डराता भी है और रोमाचिंत भी करता है। गुफा में जाने के तीन रास्ते हैं। लिविंग ब्रिज - चेरापूंजी के जंगलों में पेड़ की शाखाओं और जड़ों से बने पुल देखे जा सकते हैं। इन्हें लिविंग ब्रिज भी कहा जाता है। यहां के लोग खास तकनीक से ऐसे पुल बनाते हैं, जो 10-15 साल में बनकर तैयार हो जाते हैं और सैकड़ों सालों तक इस्तेमाल में आते हैं। यहां ऐसी ही एक सबसे पुरानी पुलिया 500 सालों से प्रयोग में ली जा रही है। चेरापूंजी की दूसरी देखने वाली जगहों में मोकडोक डिम्पेप वेली जो शिलांग से चेरापूंजी के रास्ते में आती है, बहुत ही सुंदर और हरी-भरी हैं। यहां डाइन्थलेन वाटरफाल, डोन बोस्को श्राइन, चर्च, डेविड स्कोट मेमोरियल, ग्रीन केन्योन ऑफ चेरापूंजी, ईको पार्क, केर्नरम वाटरफाल आदि भी घूमने लायक है। माउलंग सीम पीक - चेरापूंजी आने वाले यात्रियों के लिए रोमांच, साहस और सौंदर्य से भरा एक और स्थान है माउलंग सीम पीक। यहां दूर से गिरता एक झरना, बादलों का आवरण, बांगलादेश के सिलहट जिले का मैदानी भाग और घने वृक्षों से घिरा जंगल दिखाई देता है। यहां एक सुंदर बगीचा है, जिसमें यात्रियों के बैठने, घूमने और देखने की सुविधा है। बगीचे में तरह-तरह के फूलों की क्यारियां, झूले, फव्वारे और चहलकदमी के लिए बनी सीढ़ियां व पगडंडियां है, जिन पर चलते, अठखेलियां करते पर्यटक मस्ती में गाते-गुनगुनाते रहते हैं। इस पूर्वी प्रदेश में शाम जल्दी होती है। इसलिए माउलंग सीम पीक से सीधे शिलांग जा सकते हैं। कैसे जाएं - चेरापूंजी जाने के लिए शिलांग के बड़ा बजार बस स्टेंड से बसें मिल जाती हैं। शिलांग से टैक्सी किराये पर लेकर भी चेरापूंजी की एक दिन की यात्रा की जा सकती हैं। ठहरने के लिये यहां कई हॉलीडे रिजॉर्ट हैं।

अनुपम खेर को ईशा देओल ने लाल बक्से में भेजा खास तोहफा

मुंबई । बॉलीवुड इन दिनों क्रिसमस सेलिब्रेशन मूड में है। आलिया से लेकर अनन्या तक सब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपडेट दे रहे हैं। तोहफों का आदान प्रदान भी शुरू हो गया है। ऐसा ही एक तोहफा अनुपम खेर के पास पहुंचा। ये सौगात ईशा देओल ने उन्हें भेजी जिसका खुलासा अभिनेता ने खुद किया। सोशल मीडिया पर सक्रिय अभिनेता ने एक लाल बक्से में करीने से रखा तोहफा प्रशंसकों को दिखाया। इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर वीडियो साझा कर अभिनेता ने ईशा देओल द्वारा क्रिसमस और नए साल के अवसर भेजे गए तोहफे की झलक दिखाई और पोस्ट पर लिखा, धन्यवाद डियर ईशा देओल। वीडियो में लाल रंग का एक बॉक्स है, जिसमें हॉट कोको पाउडर के साथ ड्राई फ्रूट्स के भी कई बॉक्स हैं। गिफ्ट बॉक्स पर खेर के नाम का एक नोट भी है, जिसे ईशा ने लिखा है। नोट में लिखा है, प्रिय अनुपम जी, मैरी क्रिसमस और नए साल की शुभकामनाएं, आपको ढेरों प्यार। जिंदगी के हर एक

खास पल को सोशल मीडिया पर साझा करने वाले बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'तुमको मेरी कसम' के सेट से एक पोस्ट साझा किया था। पोस्ट में उन्होंने अपनी सह-अभिनेत्री ईशा देओल के प्रति आभार व्यक्त किया था, जिन्होंने उन्हें एक दर्पण भेंट किया था। खेर ने वीडियो साझा कर बताया था कि फिल्म की शूटिंग के दौरान, उन्होंने ईशा द्वारा पकड़े गए एक आईने की प्रशंसा की थी और मजाकिया अंदाज में कहा था कि वह उसमें सुंदर लग रहे थे, उसे बाद में ईशा ने उन्हें उपहार में दिया, जिससे उन्हें बहुत खुशी हुई। खेर ने अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा कर लिखा, 'कल 'तुमको मेरी कसम' सेट पर मैंने जिस आईने की प्रशंसा की थी, उसे मुझे भेंट करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ईशा देओल। 'तुमको मेरी कसम' का निर्देशन विक्रम भट्ट ने किया है। आगामी फिल्म में अनुपम और ईशा देओल के अलावा सुशांत सिंह, अदा शर्मा अहम भूमिका में हैं। इसके अलावा अनुपम खेर की झोली में राम वामसी कृष्ण द्वारा निर्देशित 'द इंडिया हाउस' के साथ ही 'तन्वी द ग्रेट' भी है। 'तन्वी द ग्रेट' के साथ अभिनेता निर्देशन की दुनिया में वापसी करने को तैयार हैं।

मां बनीं अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी, बेटे को दिया जन्म

मुंबई । टीवी इंडस्ट्री की मशहूर अदाकारा देवोलीना भट्टाचार्जी ने सोशल मीडिया के जरिए प्रशंसकों को मां बनने की खबर सुनाई। उन्होंने बताया कि उनके घर में नन्हे फरिश्ते ने कदम रख दिया है। देवोलीना सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं और मां बनने की खुशखबरी से लेकर गोद भराई के पोस्ट प्रशंसकों के साथ साझा कर चुकी हैं। इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर उन्होंने अपने लाडले के जन्म की खुशखबरी सुनाई। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, नमस्ते दुनिया! हमारा नन्हा फरिश्ता (बेबी बॉय) का जन्म हो चुका है। वीडियो में देवोलीना के नन्हें फरिश्ते के जन्म की तारीख (18 दिसंबर) का भी उल्लेख है। अभिनेत्री ने जैसे ही पोस्ट डाला उनके प्रशंसकों के साथ ही मनोरंजन इंडस्ट्री के तमाम सितारों ने उन्हें शुभकामनाएं दी। देवोलीना की पोस्ट पर अभिनेता शार्दुल पंडित ने लिखा, बधाई देवोलीना। अभिनेत्री जयति भाटिया ने लिखा, ढेरों आशीर्वाद और प्यार, अभिनेत्री काम्या शलभ डांग ने लिखा, बहुत-बहुत बधाई। इसके अलावा अभिनेत्री को भाविनी पुरोहित दवे, मदिराक्षी मुंडले, दीपिका सिंह, पारस छाबड़ा, सुप्रिया रैना शुक्ला, आरती सिंह शर्मा, जय भानुशाली, राजीव आदातिया, काजल पिसाल समेत अन्य सितारों ने शुभकामनाएं दीं। देवोलीना ने हाल ही में अपने गोद भराई की तस्वीरें साझा की थी, जिसमें वह पति शाहनवाज शेख के साथ पोज देती नजर आई थीं। देवोलीना भट्टाचार्जी ने पति और परिवार के साथ पंचामृत अनुष्ठान कर अपनी गर्भावस्था की जानकारी प्रशंसकों को दी थी। पूजा की तस्वीरें साझा कर देवोलीना ने बताया था कि वह मां बनने वाली हैं। साझा की गई तस्वीर में वह पति शाहनवाज के साथ सोफे पर बैठी नजर आई थीं। देवोलीना दिसंबर 2022 में जिम ट्रेनर शाहनवाज के साथ शादी के बंधन में बंधी थीं। देवोलीना ने 2011 में शो 'सांवरे सबके सपने प्रीतो' से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद वह 'साथ निभाना साथिया', 'लाल इश्क', 'साथ निभाना साथिया 2' और 'दिल दियां गल्लां' जैसे शो में काम कर चुकी हैं। अभिनेत्री 'बिग बॉस 13', 'बिग बॉस 14' और 'बिग बॉस 15', 'डांस इंडिया डांस 2' में भी हिस्सा ले चुकी हैं।

गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहुजा साई राजेश की फिल्म से करेंगे अपना एक्टिंग डेब्यू

मुंबई । बॉलीवुड के डांसिग स्टार गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहुजा निर्देशक साई राजेश की फिल्म से अपना एक्टिंग डेब्यू कर सकते हैं। बॉलीवुड में चर्चा है कि यशवर्धन आहुजा अपनी एक्टिंग की शुरुआत राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त निर्देशक साई राजेश की आने वाली फिल्म से करने जा रहे हैं। यह फिल्म एक खास लव स्टोरी होगी, जो गोविंदा की विरासत की दूसरी पीढ़ी को बड़े पर्दे पर दिखाएगी। यशवर्धन ने इस भूमिका के लिए ऑडिशन दिया था और अपनी मेहनत के कारण उन्हें यह भूमिका मिली है। इस फिल्म को मधु मंटेना, अल्लू अरविंद और एसकेएन फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस किया जाएगा। बताया जा रहा है कि इस फिल्म के

लिए फीमेल लीड की तलाश जारी है, क्योंकि मेकर्स एक नई जोड़ी लॉन्च करना चाहते हैं। कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा इस नेशनवाइड हंट की अगुवाई कर रहे हैं और उन्हें अब तक 14 हजार से ज्यादा ऑडिशन क्लिप्स मिल चुके हैं। फिल्म के लिए फीमेल लीड जल्द ही फाइनल हो जाएगी। मेकर्स इस फिल्म को समर 2025 तक फ्लोर पर लाने की प्लानिंग कर रहे हैं।

कोहली ने मेलबर्न एयरपोर्ट पर पहुंचने पर पत्रकार पर अपना आपा खोया- रिपोर्ट

मेलबर्न । अनुभवी भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले मेलबर्न एयरपोर्ट पर पहुंचने पर कथित तौर पर मीडियाकर्मी पर गुस्सा निकाला। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट गाबा में ड्रा समाप्त होने के बाद, ऑस्ट्रेलियाई और भारतीय दोनों टीमें मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में सीरीज के चौथे टेस्ट के लिए मेलबर्न में अपने अगले मुकाबले के लिए रवाना हुईं। मेलबर्न एयरपोर्ट पर पहुंचने पर कोहली की एक पत्रकार के साथ तीखी नोकझोंक हुई, क्योंकि वह अपने परिवार पर कैमरों की मौजूदगी से परेशान दिखाई दिए। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के अनुसार, रिपोर्टर ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड का साक्षात्कार ले रहे थे, जब विराट कोहली और उनका परिवार पास में ही देखा गया। कैमरों का ध्यान कोहली पर गया, जो अपने परिवार को सार्वजनिक स्थान पर फिल्माए जाने से नाखुश दिखाई दिए और एक रिपोर्टर के साथ तीखी नोकझोंक में उलझ गए। चैनल 7 के एक रिपोर्टर ने स्थिति पर और प्रकाश डाला। 7न्यूज पर उन्होंने कहा, जब कोहली कैमरों को देखकर थोड़ा गुस्से में आ गए, तो उन्हें लगा कि मीडिया उन्हें उनके बच्चों के साथ फिल्मा रहा है। यह एक गलतफहमी है। 7न्यूज के अनुसार, कोहली ने अपनी स्थिति स्पष्ट की। मेरे बच्चों के साथ मुझे थोड़ी गोपनीयता की आवश्यकता है, आप मुझसे पूछे बिना फिल्म नहीं बना सकते। बाद में, जब मीडिया ने बताया कि उनके बच्चों को फिल्माया नहीं जा रहा है, तो भारतीय स्टार ने मीडिया के सामने अपनी स्थिति स्पष्ट की और जाने से पहले कैमरामैन से हाथ मिलाया। ऑस्ट्रेलिया में चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत पर्थ में शतक के साथ करने वाले कोहली का प्रदर्शन खराब रहा है और पिछले तीन मैचों में उन्होंने केवल 21 रन बनाए हैं। एडिलेड में दूसरे टेस्ट में भारत को बुरी तरह से हराया गया और गाबा में तीसरा टेस्ट बारिश के कारण ड्रॉ हो गया। बॉर्डर-गावस्कर सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है, जिसमें 26 दिसंबर से चौथा टेस्ट शुरू होगा और उसके बाद सीरीज का अंतिम टेस्ट सिडनी में खेला जाएगा।

20 दिसंबर 2024 का पंचांग

सूर्योदय- 07.07 प्रात-
सूर्यास्त- 05.41 सायं-
सूर्य राशि- धनु
चंद्र उदय- 10.37 रात्रि-
चंद्र अस्त- 11.35 प्रात-
चंद्रमा- सिंह राशि में।

आचार्य सुकुल प्रसाद, ज्योतिष, हस्तरेखा, अंकशास्त्र एवं वास्तु विशेषज्ञ। मो-7078453594

विक्रम समवत 2081 अमांत महीना मार्गशीर्ष-19 पूर्णिमांत महीना पौष-05 पक्ष- कृष्ण पक्ष-05 तिथि- पंचमी प्रात- 10.49 तक बाद में षष्ठी
नक्षत्र-आश्लेषा प्रात- 01.59 तक बाद में मघा, योग-विषकुम्भ सायं-06.11 तक बाद में प्रीति, करण- तैतिल प्रात- 10.49 तक बाद में ग़र, रात्रि- 11.30 तक बाद में वणिज,
राहु काल प्रात- 10.30 से 12.00 बजे तक, कुलीक काल दोपहर- 07.30 से 09.00 बजे तक यमगंड प्रात- 03.00 से 04.30 बजे तक, अभिजीत मुहूर्त दोपहर- 12.03 से 12.45 तक
दुमुहूर्त प्रात- 09.14 से 09.56 तक व 12.44 से 01.57 तक
अमृत काल प्रात- 1.12 से 02.55 तक ब्रह्म मुहूर्त-प्रात- 05.31 से 06.19 तक।

आज 20 दिसंबर का दैनिक राशिफल।

मेष- किसी गुरु के ज्ञान से जीवन का रास्ता बदलेगा, दूसरी संतान की इच्छा पूरी होगी, अपने अंदर की कमी का अवलोकन करेंगे।
भाग्य प्रतिशत-75

वृषभ-व्यवसाय में कुछ नया करने की इच्छा होगी, करियर वाली युवती से विवाह की बात चलेगी, सरकारी छोटे पद की सरकारी नौकरी लगने के आसार है।
भाग्य प्रतिशत-78

मिथुन-अंतर्जातीय युवती से विवाह कर सकते है, डूब रहे व्यवसाय में और निवेश से बचें, बीमा, मार्केटिंग, शेयर मार्केट में कार्य करते है तो लाभ ले पाएंगे।
भाग्य प्रतिशत-68

कर्क- विदेश में कार्य एवं बसने की इच्छा होगी, कम्पनी में अपनी ग्रोथ से असंतुष्ट रह सकते है, मित्रों का ही सुझाव मानकर ना चले।
भाग्य प्रतिशत-51

सिंह- राजनीति क्षेत्र में सक्रियता रहेगी ठेकेदारी, सड़क निर्माण,सीमेंट, बिजली सबंधित आदि कार्य में प्रवेश कर सकते है,मन में दुविधा संकोच से बचे।
भाग्य प्रतिशत-66

कन्या- बेरोजगार मित्र मिलकर व्यवसाय करने की योजना बना सकते है, डीलर प्लॉट, फ्लेट आदि बेचने से लाभ अर्जित करेंगे, विचारों को अमल में लाए तुरन्त बदले नहीं।
भाग्य प्रतिशत-65

तुला- मन में बहुत सी शंकाएं जन्म लेंगी, काम पर फोकस करना मुश्किल हो सकता है, अध्यात्म की शरण में भी जा सकते है, आर्थिक उन्नति हो जाएगी।
भाग्य प्रतिशत-50

वृश्चिक- प्रेम संबंधों बनेंगे परंतु सही दिशा देना सीखिए, सरकारी कार्य में लोगों पर दबाव डालकर आर्थिक लाभ ले लेंगे, खर्च बढ़ेगा।
भाग्य प्रतिशत-52

धनु- कार्य से बाहर आना जाना होगा, अविवाहित का विवाह तय होने का योग बनेगा, बहुत बड़े सपने और सुख की लालसा परेशानी दे सकती है।
भाग्य प्रतिशत-56

मकर- गिने चुने लोगों से बातचीत रखना चाहेंगे, अपनी दक्षता को मजबूत करेंगे, थोड़ा प्रेक्टिकल बने तो आर्थिक लाभ सम्भव है।
भाग्य प्रतिशत-60

कुम्भ- उन्नति के रास्ते खुलेंगे,अपनी मैं में किसी का अपमान करने से बचे, थोड़ा कंजूसी का भाव प्रदर्शित करेंगे, भक्ति पूजा दान परेशानी को कम करेंगे।
भाग्य प्रतिशत-71

मीन- कार्यक्षेत्र में स्वयं को सब कुछ समझने की भूल ना करें, कानूनी विवाद और पेचीदा हो सकता है, पति के परिवार के लोग आपसे कटे रह सकते है।
भाग्य प्रतिशत-54

रुपया गिरावट के साथ खुला, 85 के नीचे पहुंचा

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 85 के नीचे पहुंच गया। अमेरिकी फेडरन रिजर्व (फेड) फेड के अगले साल ब्याज दरों में कटौती की रफ्तार धीमी रखने के संकेतों से रुपये पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इससे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 18 पैसे गिरकर 85.12 के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया। अमेरिकी फेड के फैसले के बाद डॉलर में जोरदार तेजी आई और डॉलर इंडेक्स 108 के स्तर को पार कर गया। भारतीय मुद्रा के अलावा अन्य विदेशी मुद्राओं में भी इसका असर देखने को मिला है। डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 85.06 रुपये पर खुला। घरेलू शेयर बाजारों के नरम रुख, आयातकों की ओर से डॉलर की मांग और विदेशी पूंजी निकासी से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। वहीं गत कारोबारी दिन भारतीय रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 8 4.94 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। बाजार जानकारों ने कहा, डॉलर इंडेक्स का 108 से ऊपर जाना और 10 साल के बॉन्ड यील्ड का 4.52 प्रतिशत पर पहुंचना एफआईआई कोष प्रवाह के दृष्टिकोण से नकारात्मक है। लेकिन यह केवल अस्थायी होने की संभावना है।

सेंसेक्स और निफ्टी ने बड़ी गिरावट के साथ की कारोबार की शुरुआत

नई दिल्ली । वैश्विक दबाव के कारण घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार गिरावट का माहौल बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत बड़ी गिरावट के साथ हुई। सेंसेक्स 80 हजार अंक के स्तर से और निफ्टी 24 हजार अंक के स्तर से भी नीचे लुढ़क गए। हालांकि पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद खरीदारी के सपोर्ट से इन दोनों सूचकांकों की स्थिति में कुछ सुधार हुआ, लेकिन अभी भी दोनों सूचकांकों पर दबाव बना हुआ है। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 1.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज, भारती एयरटेल, सिप्ला, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और सन फार्मास्यूटिकल्स के शेयर 2.40 प्रतिशत से लेकर 0.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर एशियन पेंट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और टाटा स्टील के शेयर 2.85 प्रतिशत से लेकर 1.94

प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,371 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 600 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,771 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 2 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 28 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 5 शेयर हरे निशान में और 45 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 1,153. 17 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 79,029.03 अंक के स्तर पर खुला। शुरुआती कारोबार में ये सूचकांक फिसल कर 79,020.08 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने बाजार में मोर्चा संभाल लिया। लिवाली शुरू हो जाने से इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक सुबह 10 बजे के थोड़ी देर पहले निचले स्तर से करीब 500 अंक की रिकवरी करके 79,516.17 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इस सूचकांक की गिरावट बढ़ने लगी। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 914.61 अंक की कमजोरी के साथ 79,267.59 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 321.70 अंक टूट कर 23877.15 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद ये सूचकांक फिसल कर 23,870.30 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा।
खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10 बजे के करीब ये सूचकांक निचले स्तर से 130 अंक से अधिक की रिकवरी करके 24,004.40 अंक तक पहुंचा। हालांकि इसके बाद एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने दोबारा नीचे गिरना शुरू कर दिया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10.15 बजे निफ्टी 276.8 5 अंक लुढ़क कर 23,922 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को सेंसेक्स 502.25 अंक यानी 0.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 80,18 2.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 137.15 अंक यानी 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,198.85 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक संपादक दीपक शर्मा द्वारा वत्स ऑफ़सेट मुद्रा हॉउस, प्रिंटर्स प्रेस सी -ब्लॉक बारात घर रघुनाथपुर सेक्टर -22 नोएडा से मुद्रित एवं ग्राम पोस्ट शेखपुर थाना बाबूगढ़ हापुड़ से प्रकाशित। आर एन आई नंबर UPHIN/2020/86789 मो. 9953840820, ईमेल आईडी ujalahiteshie&press@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय हापुड़ स्थित न्यायालय में होगा।

प्रतापगढ़ में पुलिस मुठभेड़ के बाद दो बदमाश गिरफ्तार

प्रतापगढ़ । प्रतापगढ़ में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद एक इनामी बदमाश सहित दो बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से असलहे बरामद किए। पुलिस ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) संजय राय ने बताया कि थाना लालगंज के प्रभारी निरीक्षक नीरज यादव और विशेष टीम के प्रभारी निरीक्षक जयचंद्र पुलिस बल के साथ बुधवार रात वाहनों की जांच कर रहे थे। राय ने बताया कि इस दौरान सराय रायजू लोनी नदी के निकट मोटरसाइकिल से आ रहे बदमाशों को रोकने का प्रयास किया गया तो उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी जिस पर पुलिस बल ने भी जवाबी कार्रवाई की और इसमें एक गोली इनामी बदमाश शशिकांत विश्वकर्मा उर्फ़ शशिप्रकाश के पैर में लगी। उस पर 25 हजार रूपए का इनाम घोषित किया गया था। राय ने बताया कि पुलिस ने शशिकांत के साथ ही उसके साथी बबलू गौतम को मौके से गिरफ्तार कर लिया और इनके कब्जे से एक अवैध तमंचा, चोरी की एक बंदूक, 25 कारतूस, 50,000 रुपये नकद और चोरी के गहने बरामद किए। उन्होंने बताया कि आरोपी शशिकांत के विरुद्ध दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। उसे इलाज के लिए मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है।

देवरिया में कार के ट्रैक्टर ट्रॉली से टकराने से एक की मौत

गोरखपुर । उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में सलेमपुर के पास शराब की तस्करी के लिए इस्तेमाल की जा रही एक कार के ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और अवैध शराब की बोतलें सड़क पर बिखर गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना बृहस्पतिवार तड़के करीब चार बजे उस वक्त हुई जब पुलिस से बचने के लिए तेज गति से जा रही कार ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराई और पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यातायात सुचारू करने के लिए क्षतिग्रस्त कार को सड़क से हटाया गया। अधिकारी के अनुसार कार चालक शराब की खेप लेकर बिहार जा रहा था। अधिकारी ने बताया कि सलेमपुर पुलिस मृतक की शिनाख्त में जुटी है और मामले की जांच कर रही है।

पांच साल के बच्चे की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या

सुलतानपुर । जिले के थाना गोसाईंगंज क्षेत्र में एक पांच वर्षीय बच्चे की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर दी गई जिसका शव बृहस्पतिवार को घर से 100 मीटर दूर एक खंडहरनुमा मकाल में मिला है। बच्चा बुधवार दोपहर से लापता था। पुलिस ने शव को कब्जे में लिया है। घटना गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के सोनवातारा गांव की है। पुलिस द्वारा उपलब्ध करायी गयी जानकारी के अनुसार गोसाईंगंज के सोनवातारा निवासी अरविंद का पांच वर्षीय पुत्र अखिल बुधवार दोपहर 12 बजे घर लापता हो गया। कुछ देर तक जब बच्चा नजर नहीं आया तो परिजनों ने तलाश शुरू की लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह घर से सौ मीटर की दूरी पर स्थित श्याम लाल के खंडहरनुमा मकान में उसका शव पाया गया। बच्चे के गले पर धारदार हथियार के निशान मिले हैं। ग्रामीणों की सूचना पर गोसाईंगंज पुलिस, फॉरेंसिक टीम और खोजी श्वान दस्ते की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर जांच कर रही है। थानाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि परिजनों से तहरीर मिलते ही कार्रवाई की जाएगी। मृत बच्चे के दादा पूर्णवासी की तहरीर पर पुलिस ने पहले गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की थी।

शाहजहांपुर सड़क हादसे में घायल एक और महिला ने दम तोड़ा, छह हुई मृतकों की संख्या

शाहजहांपुर । उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के मदनापुर थाना क्षेत्र में नेशनल हाई-वे पर बुधवार रात हुए सड़क हादसे में घायल एक और महिला ने गुरुवार को दम तोड़ दिया। इसके बाद मृतकों की संख्या बढ़कर छह हो गयी है। इस हादसे में घायल हुए अन्य चार लोगों का इलाज राजकीय मेडिकल कॉलेज में हो रहा है। पुलिस के अनुसार, मृतक महिला का नाम गुल्फ़सा (25) है। वह उत्तराखंड की रहने वाली थी। महिला का कांट थाना क्षेत्र के जमुनिया गांव में मायका था। गुल्फ़सा अपनी बेटी नूरी (4) के साथ यहां आयी हुई थी। नूरी की कल रात इस हादसे में मौत हो गई थी। आज उपचार के दौरान गुल्फ़सा ने भी दम तोड़ दिया। अब मृतकों की संख्या 6 जा पहुंची है। कांट थाना क्षेत्र के नगला बनवारी गांव निवासी रियासत अली पत्नी आमना बेगम, बेटे सुभान एवं आमिर, बेटी खुशी व गुड़िया के साथ बुधवार रात दिल्ली जाने के लिए घर से निकले थे। उनकी साथ कार में कासगंज निवासी साहुल उनकी पत्नी अन्नू, बेटा अंश तथा गुल्फ़सा (25) और उनकी बेटी नूरी (4) भी सवार थे। नेशनल हाई-वे पर उनकी कार एक पशु से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे ट्रक से भिड़ गयी। हादसे में रियासत (45), आमना बेगम (44) और उनकी बेटी गुड़िया (7), नूरी (4) एवं अन्नू (35) की मृत्यु हो गयी।

बलरामपुर में हत्या के आरोप में एक व्यक्ति और उसके तीन बेटों को आजीवन कारावास

बलरामपुर । उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में जिला एवं सत्र अदालत ने एक व्यक्ति और उसके तीन बेटों को हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। एक सरकारी वकील ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार झा की अदालत ने दोषियों पर सामूहिक रूप से 4.5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। जिला सरकारी वकील कुलदीप सिंह ने बताया कि यह घटना दो दिसंबर 2019 को ललिया थाना क्षेत्र के अरनहवा गांव में हुई थी। बच्चों के बीच हुए विवाद के बाद विद्या राम (40) की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। सिंह ने बताया, 'मृतक के भाई जुग्गी लाल ने मामला दर्ज कराया था। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों ने साक्ष्य और गवाह पेश किए। गवाहों की सावधानीपूर्वक समीक्षा करने के बाद जिला न्यायाधीश अनिल कुमार झा ने मुनेश्वर और उसके तीन बेटों- प्रभु दयाल, राकेश और सुनील को अपराध का दोषी पाया।' उन्होंने बताया कि अदालत ने चारों दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है और प्रत्येक पर 1.25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

महोबा में 13 वर्षीय किशोरी का कुएँ में उतराता मिला शव

महोबा । उत्तर प्रदेश में महोबा जिले के श्रीनगर क्षेत्र में दो दिन से लापता एक किशोरी का शव आज कुएँ में उतराता हुआ बरामद किया गया है. अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने बताया क़ी तिंदोली गाँव में सरकारी राशन के विक्रेता (कोटेदार)राजकुमार राठौर क़ी 16 वर्षीय पुत्री दीक्षा का शव मकान के निकट स्थिति एक सार्वजनिक कुएँ में उतराता हुआ बरामद किया गया है. वह 16 दिसंबर क़ी रात में रहस्यमय तरीके से लापता हो गयी थी. परिजनों द्वारा काफी खोजबीन किये जाने के बाद भी उसका कोई अता पता न लगने पर पुलिस को सूचना देकर गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया गया था.दीक्षा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज महोबा में कक्षा 11वीं क़ी छात्रा थी. अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया क़ी सुबह कुएँ में पानी निकालते समय ग्रामीणों ने शव उतराता हुआ देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी. पुलिस ने मोके पर पहुंच शव को बाहर निकाल पंचनामा भर कर पोस्ट मार्टम के लिए पहुँचाया है. उन्होंने बताया क़ी परिजनों द्वारा मृतक किशोरी के मानसिक रोगी होने क़ी जानकारी दी जा रही है. वह पूर्व में भी एक बार उक्त कुएँ में गिर गयी थी लेकिन लोगो के देख लिये जाने पर उसे तत्काल बाहर निकाल कर बचा लिया गया था. उन्होंने बताया क़ी मामले क़ी सभी पहलुओं से जांच क़ी जा रही है

बिजली विभाग ने संभल में समाजवादी पार्टी के सांसद के आवास का निरीक्षण किया

संभल । संभल के दीपा सराय इलाके में बिजली विभाग ने बृहस्पितवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद जियाउर रहमान बर्क के आवास की जांच की। इस दौरान इलाके में भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई। पत्रकारों से अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) शिरीष चंद्र ने कहा, ''बिजली विभाग ने दीपा सराय इलाके में सुरक्षित और सुचारू निरीक्षण के लिए पुलिस सहायता मांगी है। फिलहाल निरीक्षण जारी है।''निरीक्षण किए जा रहे स्थान के बारे में विशेष रूप से पूछे जाने पर एएसपी ने कहा, ''यह सांसद का आधिकारिक आवास है, जहां बिजली विभाग जांच कर रहा है।''बिजली विभाग के उपमंडल अधिकारी संतोष कुमार त्रिपाठी ने कहा कि सांसद के आवास पर 2-2 किलोवाट के दो कनेक्शन और 10 किलोवाट का सोलर पैनल है। उन्होंने कहा,''हालांकि, उपयोग और उपकरणों के आधार पर आवश्यकता आठ से 10 किलोवाट के बीच होनी चाहिए।''सांसद का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील कासिम जमाल ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा, ''निवास में चार किलोवाट के दो कनेक्शन, 10 किलोवाट का सोलर पैनल और पांच किलोवाट का जनरेटर है। 'सेटअप' में दो 'एयर कंडीशनर', 6-7 'सीलिंग फैन (छत वाले पंखे)', एक रेफ्रिजरेटर और लाइट शामिल हैं। बिल बहुत कम है क्योंकि यहां परिवार के केवल चार सदस्य रहते हैं।सांसद, उनकी पत्नी, उनकी मां और उनके पिता।''विद्युत विभाग का निरीक्षण जारी है क्योंकि अधिकारी अनुमानित खपत के मुकाबले मौजूदा कनेक्शन का मूल्यांकन कर रहे हैं। इलाके में पुलिस, पीएसी और रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों की भारी तैनाती पर, अधिवक्ता ने कहा कि यह 'परिवार की छवि को धूमिल करने का प्रयास' है। समाजवादी पार्टी के सांसद उन लोगों में शामिल हैं जिन पर पुलिस ने 24 नवंबर की हिंसा के सिलसिले में मामला दर्ज किया है। न्यायालय के आदेश पर शहर के कोट गर्वी इलाके में मुगलकालीन शाही जामा मस्जिद के हो रहे सर्वेक्षण का विरोध करने पर सुरक्षाकर्मियों के साथ झड़प में चार स्थानीय लोगों की मौत हो गई थी। बर्क ने अपनी गिरफ्तारी पर रोक लगाने और अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने की मांग करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की है। बर्क पर 24 नवंबर को लोगों को भड़काने का आरोप है। पुलिस ने आरोप लगाया है कि सर्वेक्षण के दौरान हिंसा के पीछे उनका भड़काऊ भाषण ही कारण था। रिट याचिका में सांसद ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा है कि उन्हें इस मामले में गलत तरीके से फंसाया गया है। उनके वकील के अनुसार, वह घटना स्थल पर मौजूद नहीं थे, फिर भी उन्हें प्राथमिकी में आरोपी बनाया गया है।

उप्र कांग्रेस कार्यकर्ता के अंतिम संस्कार में अफरा तफरी अजय राय के खिलाफ नारेबाजी

गोरखपुर । लखनऊ में विरोध प्रदर्शन के दौरान मारे गए 28 वर्षीय कांग्रेस कार्यकर्ता प्रभात पांडे का बृहस्पतिवार को गोरखपुर में उसके पैतृक गांव में अंतिम संस्कार किए जाने के दौरान उस समय अफरा-तफरी फैल गई जब प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अजय राय की मौजूदगी पर लोगों ने नाराजगी जाहिर की। प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी। स्थानीय लोगों ने अजय राय वापस जाओ, हत्यारे दल वापस जाओ और राहुल गांधी मुर्दाबाद, प्रियंका गांधी मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए जिसके बाद तनाव बढ़ने पर पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। प्रभात के पड़ोसी निखिलेश ने बताया कि प्रभात के शव को अंतिम संस्कार से पहले उसके घर लाया गया जिससे परिवार में कोहराम मच गया। उसके शोकाकुल पिता दीपक पांडे ने कहा, यह मेरे कर्मों का फल है। मेरा इकलौता बेटा चला गया। अंतिम संस्कार स्थल पर उसकी मां बेहोश हो गई। निखिलेश ने बताया कि जब अजय राय ने श्रद्धांजलि देने का प्रयास किया तो स्थिति और बिगड़ गई। गुस्साए ग्रामीणों ने उन पर राजनीतिक लाभ के लिए इस त्रासदी का फायदा उठाने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों ने चिल्लाते हुए कहा, यहां कोई ड्रामा नहीं और राय को चिता के पास जाने से रोक दिया। भीड़ को शांत करने के प्रयास में राय ने अपना जनेऊ दिखाया और कहा, 'मैं भी ब्राह्मण हूं, सच्चा 24 कैरेट का।' अन्य कांग्रेस नेताओं की लगातार अपील के बाद उन्हें अनिच्छा से श्रद्धांजलि देने की अनुमति दी गई। बुधवार को प्रभात की मौत को लेकर उठे विवाद ने राजनीतिक तनाव को और गहरा कर दिया है। शुरुआती पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दिल का दौरा पड़ने का हवाला दिया गया है, लेकिन प्रभात के परिवार को साजिश का संदेह है। परिवार ने प्रभात की मौत की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उसके चाचा मनीष पांडे की शिकायत के आधार पर लखनऊ के हुसैनगंज थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या संबंधी एफआईआर दर्ज की गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कांग्रेस नेताओं ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'उत्तर प्रदेश में एक बार फिर लोकतंत्र और संविधान की हत्या हुई है। कांग्रेस के बहादुर शेर अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।'अजय राय ने सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा, 'यह मौत नहीं, बल्कि हत्या है। प्रभात ने अपने साथियों को बताया था कि पुलिस ने उसे पीटा जिससे वह बेहोश हो गया।'प्रभात, जो युवा कांग्रेस का सक्रिय सदस्य था, लखनऊ में अपने चाचा के साथ रहता था और कंप्यूटर कोर्स कर रहा था। उसके चाचा मनीष पांडे ने सवाल उठाया था, 'अगर प्रभात कांग्रेस कार्यालय में दो घंटे तक बेहोश रहा, तो उसे पहले अस्पताल क्यों नहीं ले जाया गया?'उत्तर प्रदेश विधानसभा के पास कांग्रेस के प्रदर्शन में शामिल पार्टी के कार्यकर्ता प्रभात की बुधवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। पार्टी ने 'पुलिस बर्बरता' के कारण कार्यकर्ता की मौत होने का दावा किया है। वहीं, इस मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या् का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गोरखपुर निवासी 28 वर्षीय प्रभात पांडे को कांग्रेस कार्यालय से अस्पताल में मृत अवस्था में लाया गया था।

विक्रांत तोंगड़ को जल प्रहरी का पुरस्कार मिला

ग्रेटर नोएडा । पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वाले जिले के खेड़ी भनौता गांव के विक्रांत तोंगड़ को जल प्रहरी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली के न्यू महाराष्ट्र भवन में बुधवार को आयोजित सम्मान समारोह के दौरान उन्हें यह पुरस्कार केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पटेल और केंद्रीय जल राज्य मंत्री राजभूषण चौधरी ने प्रदान किया। विक्रांत तोंगड़ वर्ष-2010 से जल और पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। जल प्रहरी पुरस्कार हर साल सरकार के साथ मिलकर पर्यावरण संरक्षण का काम करने वाली टेल संस्था द्वारा प्रदान किया जाता है। इस साल उत्तर प्रदेश से 6 व्यक्तियों को यह सम्मान मिला है। समारोह में केंद्रीय जल राज्य मंत्री राजभूषण चौधरी, सांसद बालयोगी उमेशकांत, सांसद पीसी सरंगी, टेल संस्था के सीईओ अमेय साते आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा यमनापुरम स्टेडियम में पी.एम. श्री विद्यालयों के मध्य खेल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया

उजाला हितैषी एक्सप्रेस

बुलंदशहर। बुलन्दशहर बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा यमनापुरम स्टेडियम में पी.एम. श्री विद्यालयों के मध्य खेल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया।

इसमें जिले के 16 ब्लॉकों के पी.एम. श्री विद्यालयों ने विभिन्न खेलों में भाग लिया।

प्रतियोगिता में कुश्ती, कबड्डी, खो-खो, दौड़, ऊंची कूद, और लंबी कूद जैसी गतिविधियों का आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अंतुल तेवतिया और विशिष्ट अतिथि नगरपालिका परिषद बुलंदशहर की चेयरमैन दीप्ति मित्तल थीं। उन्होंने बच्चों के उत्साह और प्रदर्शन की सराहना करते हुए खेल को शारीरिक और मानसिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया और विजेताओं को बधाई दी। प्रतियोगिता में ओवरऑल विजेता का खिताब पी.एम. श्री विद्यालय, उच्च प्राथमिक विद्यालय खुशहालाबाद, ब्लॉक डिबाई ने जीता, जबकि पी.एम. श्री विद्यालय सैदपुर, ब्लॉक बीबीनगर को उपविजेता घोषित किया गया। इस आयोजन ने न केवल खेल भावना को प्रोत्साहित किया बल्कि विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक सशक्त मंच भी प्रदान किया।

मुस्लिम बहुल इलाके में फिर से खोले गए मंदिर में शुद्धिकरण और हनुमान चालीसा का पाठ किया गया

अलीगढ़ । बजरंग दल, अखिल भारतीय करणी सेना और भाजपा समेत दक्षिणपंथी संगठनों ने यहां एक भीड़भाड़ वाले मुस्लिम बहुल इलाके में लंबे समय से बंद पड़े शिव मंदिर में शुद्धिकरण (शुद्धिकरण) समारोह आयोजित किया। इस मंदिर को कई सालों से भुला दिया गया था, लेकिन बुधवार को इन संगठनों के सदस्यों ने इसे 'फिर से खोला।'बुधवार रात कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुद्धिकरण समारोह और हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। इस कार्यक्रम में आस-पास के इलाकों के कई लोग भी शामिल हुए। अखिल भारतीय करणी सेना के राज्य सचिव ज्ञानेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि पूजा स्थलों को खोजने के अभियान के दौरान इस मंदिर का पता चला। उन्होंने कहा, 'हम बुधवार को इस मंदिर की पहचान करने में सफल रहे।'स्थानीय महिला सपना सारस्वत ने समारोह में भाग लिया। उन्होंने कहा, 'हमें आज इस परित्यक्त मंदिर के बारे में पता चला और हमने इलाके की सफाई और पूजा में मदद की।'अलीगढ़ की पूर्व भाजपा महापौर शकुंतला भारती ने मंदिर की स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''मैंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कहा है कि मंदिर की हालत देखकर हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंची है। इसकी जमीन पर अतिक्रमण हो गया है। हम अतिक्रमण हटाने और नियमित पूजा को बहाल करने के लिए उचित सर्वेक्षण चाहते हैं।' इलाके के निवासी फतेह मोहम्मद, जिन्होंने अस्थायी बिजली कनेक्शन को बहाल करने में मदद की, ने मंदिर के इतिहास को याद किया। उन्होंने बताया, 'मंदिर करीब 50 साल पहले एक घर से सटी जमीन पर बनाया गया था। सालों तक लोग यहां पूजा करते रहे, लेकिन करीब पांच साल पहले मंदिर को भुला दिया गया।'उन्होंने कहा कि इलाके के मुस्लिम निवासियों ने पूजा के पुनरुद्धार का स्वागत किया और मंदिर के प्रबंधन के साथ सहयोग करने का संकल्प लिया।

मोहम्मद ने कहा, 'हम जीर्णोद्धार प्रयासों का समर्थन करते हैं और मंदिर के रखरखाव में सहायता करेंगे।'एक अन्य स्थानीय निवासी प्रदीप बबलू ने बताया कि पिछले कुछ दशकों में खराब स्थिति के कारण हिंदू धीरे-धीरे इलाके से चले गए हैं। उन्होंने कहा, 'मैं यहां आखिरी हिंदू परिवार था और मैं एक दशक पहले यहां से चला गया था। पिछले पांच सालों से मंदिर में कोई पूजा नहीं हुई है।'स्थानीय मुस्लिम निवासी जाकिर ने पुष्टि की कि हिंदू परिवार धीरे-धीरे इस इलाके को छोड़कर चले गए हैं और पिछले कुछ सालों में उन्होंने मंदिर से मूर्तियां भी हटा दी हैं। अपर जिलाधिकारी (शहर) अमित कुमार ने लोगों को आश्वासन दिया कि नियमित पूजा के लिए व्यवस्था की गई है और शांति और सामुदायिक सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक खेती के विकास की बुनियाद बनेंगे गोवंश

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि प्रदेश, देश में प्राकृतिक खेती का हब बने। इसके लिए वह हर मुमकिन मंच से इसकी पुरजोर पैरवी करते हैं। वह किसानों को भारतीय कृषि की इस परंपरागत कृषि पद्धति को तकनीक से जोड़कर और समृद्ध करने की बात भी करते हैं। इसके लिए उनकी सरकार किसानों को कई तरह की सुविधाएं भी दे रही है। गंगा के तटवर्ती गांवों और बुंदेलखंड में प्राकृतिक खेती पर सरकार का खासा जोर है। सरकार की मंशा के अनुरूप प्राकृतिक खेती की तरक्की की बुनियाद गोवंश बनेंगे। निराश्रित गोवंशों की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इस खेती के अन्य लाभ होंगे। मसलन, जहरीले रासायनिक खादों और कीटनाशकों का प्रयोग नहीं होने से क्रमशः जन, जमीन और जल की सेहत सुधरेगी। इनके नहीं प्रयोग होने से किसानों की खेती की लागत कम होगी। उत्पाद प्राकृतिक होने से किसानों को अपने उत्पाद के दाम भी अच्छे मिलेंगे। वैश्विक महामारी कोरोना के बाद पूरी दुनिया स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हुई है। हर जगह ऐसे उत्पादों की मांग बढ़ी है। मांग बढ़ने से इनके दाम भी अच्छे मिलेंगे। मालूम हो कि प्रदेश का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। सात वर्षों में यह बढ़कर दोगुना हो गया है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार 2017-2018 में उत्तर प्रदेश का निर्यात 88 हजार करोड़ रुपये था। 2023-2024 में यह बढ़कर 170 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ने से अन्नदाता खुशहाल होंगे। खास बात यह है कि प्राकृतिक खेती से जो भी सुधार होगा, वह टिकाऊ (सस्टेनेबल), ठोस और स्थायी होगा। मुख्यमंत्री का गोवंश के प्रति प्रेम जगजाहिर है। वह अपने पहले कार्यकाल से ही गोवंश के संरक्षण पर जोर दे रहे हैं। इस बाबत निराश्रित गोवंश के लिए गोआश्रय खोले गए। प्रति पशु के अनुसार भरण-पोषण के लिए पैसा भी दिया जाता है। चंद रोज पहले पेश किए गए अनुपूरक बजट में भी इस बाबत 1,001 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री की मंशा इन गोआश्रयों को आत्मनिर्भर बनाने की है। ऐसा तभी संभव है, जब इनके गोबर और मूत्र को आर्थिक रूप से उपयोगी बनाया जाए। इसके लिए समय-समय पर सरकार स्किल डेवलपमेंट का भी कार्यक्रम चलाती है। साथ ही मनरेगा के तहत भी पशुपालकों को सस्ते में कैटल शेड, पशु बाड़ा और गोबर गैस लगाने की सहूलियत दी जा रही है। मिनी नंदिनी योजना भी गोवंश के संरक्षण और संवर्धन को ही ध्यान में रखकर बनाई गई है। इसमें भी योगी सरकार कई तरह के अनुदान दे रही है।

टिफिन में मांसाहार लेकर स्कूल आने वाले बच्चों को उच्च न्यायालय से मिली राहत

प्रयागराज । इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने केजी, पहली और तीसरी कक्षा में पढ़ रहे उन बच्चों को राहत दी है, जिन्हें अपने टिफिन में कथित तौर पर मांसाहार लाने के लिए अमरोहा जिले के स्कूल से निकाल दिया गया था। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति एससी शर्मा की खंडपीठ ने अमरोहा जिले की साबरा और उनके तीन बच्चों द्वारा दायर रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए जिला मजिस्ट्रेट को दो सप्ताह के भीतर इन बच्चों का दाखिला केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध किसी दूसरे स्कूल में करवाने और एक अनुपालन हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। याचिका में कहा गया है कि इन नाबालिग बच्चों के टिफिन में मांसाहार दिये जाने को लेकर स्कूल के प्रधानाचार्य द्वारा आपत्ति की गई और इन बच्चों को स्कूल से बाहर निकाल दिया गया। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि ये बच्चे केजी, पहली और तीसरी कक्षा में पढ़ रहे नाबालिग बच्चे हैं और स्कूल के इस निर्णय से उनकी शिक्षा का अधिकार प्रभावित हुआ है।

अदालत ने 17 दिसंबर को दिए अपने निर्णय में इस मामले में छह जनवरी, 2025 को नए सिरे से सुनवाई करने का निर्देश देते हुए कहा कि यदि जिला मजिस्ट्रेट, अमरोहा द्वारा कोई हलफनामा दाखिल नहीं किया जाता है तो उन्हें अगली तारीख पर व्यक्तिगत तौर पर पेश होना होगा।

भारतीय राजनीति के अजातशत्रु थे अटल-योगी

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के अजातशत्रु थे। उन्हे सुशासन का प्रतीक माना जाता है। उन्होने कहा राजनीतिक अस्थिरता को स्थिरता में बदलना, सुशासन के लक्ष्यों को प्राप्त करना, देश के अंदर अंत्योदय की योजना, हर गरीब-वंचित को अधिकार मिले, अंत्योदय कार्ड-राशन उपलब्ध कराने की कार्रवाई हो, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, अनुसूचित जाति-जनजाति या पिछड़े वर्ग को उनका अधिकार दिलाने के साथ ही स्वर्णिम चतुर्भुज, विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर व हाईवे अटल जी की देन है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को संगीत नाटक अकादमी में सुशासन सप्ताह का शुभारंभ किया। उन्होने श्री वाजपेयी के व्यक्तित्व, कृतित्व पर लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ व अवलोकन किया। श्री वाजपेयी के जन्मदिवस की 100वीं वर्षगांठ पर 25 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत मां के महान सपूत, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का यह जन्म शताब्दी वर्ष है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से आज से पूरे देश-प्रदेश में सुशासन सप्ताह का शुभारंभ हो रहा है। अटल जी की पैतृक जन्मभूमि उत्तर प्रदेश है। उन्होंने अपनी कर्मभूमि के रूप में भी उत्तर प्रदेश को ही चुना। बलरामपुर व लखनऊ से कई बार उन्होंने संसद में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। विदेश मंत्री, प्रधानमंत्री के रूप में भी उन्होंने देश को सक्षम नेतृत्व प्रदान किया। अटल जी कवि, पत्रकार, साहित्यकार व राजनेता थे। वे समन्वय के साथ सबको लेकर चलने का सामर्थ्य रखते थे। वे भारतीय राजनीति के अजातशत्रु कहे जाते थे। अटल जी का छह दशक का सार्वजनिक जीवन बिना किसी कलंक के रहा।श्री योगी ने कहा कि आज से हर जनपद में कार्यक्रम प्रारंभ हुए है, जो सप्ताह भर (25 दिसंबर) चलेंगे। स्कूली बच्चों के लिए सुशासन पर निबंध लेखन, उच्च शिक्षा स्तर पर भाषण, पेंटिंग प्रतियोगिता, ग्रामीण क्षेत्र में संगोष्ठी के आयोजन हो रहे हैं। इसके साथ ही पूरे वर्ष भर भी आयोजन होंगे। विजेताओं को 25 दिसंबर को सम्मानित किया जाएगा। इस दिन शाम को अटल जी की कविताओं पर आधारित काव्य संध्या भी हर जनपद, स्कूलों-कॉलेजों में होगी। इसमें नवोदित कवियों को मंच प्रदान किया जाएगा मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल जी की सेवाएं व कृतित्व देशवासियों के लिए प्रेरणा है। सुशासन सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर प्रदेश के हर स्कूल-कॉलेज, संस्थान में इससे संबंधित कार्यक्रम होंगे। श्रद्धेय अटल जी के आदर्शों से प्रेरणा हम सभी का मार्गदर्शन होगा। अटल जी ने सुशासन के जिन लक्ष्यों को देखा और सोचा था, पीएम मोदी के नेतृत्व में देश इसे प्रभावी ढंग से लागू भी कर रहा है। यह लक्ष्य प्रदेश भी प्राप्त करेगा इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, संस्कृति व पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

इटावा सफारी पार्क में इलाज के दौरान 14 वर्षीय तेंदुए की मौत

इटावा । उत्तर प्रदेश के इटावा सफारी पार्क में 14 वर्षीय एक नर तेंदुए की बृहस्पतिवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। वर्ष 2018 में लखनऊ चिड़ियाघर से लाया गया यह तेंदुआ बुधवार से बीमार था और उसने खाना-पीना छोड़ दिया था। इटावा सफारी पार्क के उप निदेशक वी.के. सिंह ने तेंदुए की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि सफारी के पशु चिकित्सक डॉक्टर रोविन सिंह और डॉक्टर शैलेंद्र सिंह के साथ वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ आर.के. सिंह के मार्गदर्शन में तेंदुए का इलाज किया जा रहा था। लेकिन, तमाम प्रयासों के बावजूद तेंदुए को बचाया नहीं जा सका। उन्होंने बताया कि मृत तेंदुए का पोस्टमार्टम करने के लिए पशु चिकित्सकों की एक समिति बनाई गई है। तेंदुए की मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए मृत तेंदुए के नमूने बरेली की एक प्रयोगशाला में भेजे जाएंगे। सिंह ने बताया कि वर्तमान में इटावा सफारी पार्क में 16 तेंदुए रहते हैं। शेष तेंदुओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाये जा रहे हैं।

भाकियू टिकैत टीम ने प्रदेश अध्यक्ष का फूलमाला पहनकर जोरदार स्वागत किया

उजाला हितैषी एक्सप्रेस ब्यूरो

हापुड़। फ्रीगंज रोड स्थित भाकियू टिकैत के जिला मुख्य कार्यालय पर जनपद के ब्लॉक अध्यक्ष और तहसील अध्यक्ष समेत की प्रदेश अध्यक्ष ने समीक्षा की इस दौरान जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में समस्त जिले के कार्यकारिणी द्वारा प्रदेश अध्यक्ष का फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष पंडित राजपाल शर्मा ने समीक्षा करने के दौरान जानकारी देते हुए बताया है कि किसी भी तरह का ज्ञापन देने से पूर्व जिला कार्यकारणी के द्वारा प्रस्ताव पास कर ही आगे बड़े तब ज्ञापन देने की योजना बनाई जाए ताकि संगठन में मजबूती रहे । वहीं उन्होंने यह भी बताया कि किस तरह होती है संगठन की कार्यकारणी जैसे कि ग्राम पंचायत में 11 कार्यकारणी सदस्य होना चाहिए व ब्लॉक में 21 सदस्य की कार्यकारणी एवं जनपद में 51 और वही मंडल स्तर पर 101 कार्यकारणी के सदस्य होने अतिआवश्यक होते है तब आपका संगठन पूर्णरूप से चल पाएगा जिसमें की अध्यक्ष , उपाध्यक्ष, सचिव, महासचिव, कोषाध्यक्ष, प्रवक्ता इनके अलावा कार्यकारणी सदस्य भी होते है। जिला अध्यक्ष दिनेश खेड़ा ने कहा कि जनपद में सभी अध्यक्ष चाहे वह ग्राम अध्यक्ष, तहसील अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष समेत अपनी अपनी कमेटी कार्यकारिणी सदस्य का जल्द से जल्द गठन कर संगठन को मजबूती देने का काम करे और वही जो पदाधिकारी लगातार तीन मीटिंग में गैर हाजिर रहता है तो उसको पद मुक्त किया जा सकता। समीक्षा मीटिंग के दौरान जिला अध्यक्ष दिनेश खेड़ा, जिला संरक्षक पीके वर्मा,गढ़ तहसील अध्यक्ष श्याम सुंदर त्यागी, जिला प्रवक्ता कुँवर खुशनूद, मेरठ मंडल संघठन मंत्री महिपाल सिंह, उर्फ गुजराल महिला जिला अध्यक्ष नीलम त्यागी, जिला उपाध्यक्ष कल्पना देवी, शोभा देवी, सरिता देवी,बिल्लू त्यागी, अनिल त्यागी, ओमबीर सिंह, विनोद शर्मा,जन्म सिंह, मुनव्वर अली, डॉक्टर मतलूब, इमरान अली, नोशाद अली,गढ़ ब्लॉक अध्यक्ष माजिद चौधरी, पुष्पेंद्र चौधरी, सुंदर गुर्जर, उमेश राणा, रविन्द्र सिंह, जगबीर चौहान, बिजेन्द्र सिंह,जितेंद्र सिंह, शेखर चौधरी, पवन कुमार समेत मौजूद रहे।

मैहर रेस्टोरेंट का फीता काटकर हुआ भव्य उद्घाटन

उजाला हितैषी एक्सप्रेस ब्यूरो

हापुड। गढ़ रोड स्थित ग्राम सरूरपुर में मैहर रेस्टोरेंट का हुआ भव्य उद्घाटन आपको बता दे की मैहर रेस्टोरेंट के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आये प्रशांत चौधरी व जिला पंचायत अध्यक्ष पति प्रमोद नागर सहित समस्त जिला पंचायत सदस्यो द्वारा फ़ीता काटकर किया भव्य उद्घाटन इस अवसर पर डा, तमकीन व नासिर खान ने बताया कि यह रेस्टोरेंट उच्च क्वालिटी का खाना वेज एवं नॉनवेज दोनों तरह का लोगों को देने का का काम करेगा डायरेक्टर कुंवर खुशनुड उर्फ जूनियर ने बताया कि यह मैहर रेस्टोरेंट में खाना शुद्धता गुणवत्ता के साथ नजर में रखते हुए बनाया जाएगा इस मौके पर पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी , एडवोकेट ललित सिंह, महेश टायर वाले, फकीरा चौधरी, अंकुर चौधरी, रोहन नागर, इंजीनियर अनीश चौधरी कुंवर खुशनूद उर्फ जूनियर (जिला प्रवक्ता भाकियू टिकैत)दिनेश खेड़ा जिला अध्यक्ष भाकियू टिकैत हापुड़,अंकुर चौधरी चैयरमेन हरोडा सोसायटी ,नेताजी छोटे खां गुज्राल मंडल अध्यक्ष भाकियू टिकैत , राजेंद्र औलख,परमजीत प्रधान,राहुल त्यागी,गुड्डू प्रधान, नेकपुर,साथ-साथ भारतीय किसान यूनियन के सभी कार्यकर्ता व अन्य पार्टियों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक देश एक चुनाव बिल का समर्थन

नोएडा । उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने एक देश, एक चुनाव का समर्थन किया। प्रतिनिधि के जिलाध्यक्ष नरेश कुच्छल ने कहा कि एक देश एक चुनाव के बिल को लागू करने की देश में काफी जरूरत है मतदान प्रतिशत में भी बढ़ोतरी होगी। नागरिकों को हर साल मतदान केंद्रों पर नहीं जाना पड़ेगा। देश में सिर्फ एक बार चुनाव होने से सरकारी कर्मचारियों और सुरक्षाबलों को राहत मिलेगी। इससे देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी देश विश्व की आर्थिक महाशक्तियों में शामिल हो जाएगा। इसके लिए सभी राजनीतिक पार्टियों को इस बिल के समर्थन में आगे आना चाहिए। यदि देश में जीएसटी लागू हो सकता है तो एक देश एक चुनाव क्यों नहीं हो सकता? सभी राजनीतिक दल खुले मन से इस मुद्दे पर बहस करें, ताकि इसे अमलीजामा पहनाया जा सके।

40 किलो अवैध गांजे के साथ 3 तस्करों को गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने किया गिरफ्तार

उजाला हितैषी एक्सप्रेस ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञान्जय सिंह के निर्देशानुसार जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस द्वारा 3 मादक पदार्थ तस्करों को कल्याणपुर नहर पुल के पास से गिरफ्तार किया गया है, जिनके कब्जे से 40 किलोग्राम अवैध गांजा (अनुमानित कीमत करीब 12 लाख रुपये), तीन मोबाईल फोन व तस्करी में प्रयुक्त ब्रेजा कार बरामद हुई है। उपरोक्त गिरफ्तारी एवं बरामदगी के सम्बन्ध में थाना गढ़मुक्तेश्वर पर अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। जहां पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम मनीष कुमार उर्फ मीनू पुत्र राजपाल सिंह निवासी कालिया गढ़ी थाना मेडिकल कालेज जनपद मेरठ,वसीम पुत्र हाजी इस्माइल निवासी राजनगर कस्बा राठोल थाना खेकडा जनपद बागपत,अजहरूद्दीन पुत्र जहूर अहमद निवासी बहरामपुर थाना मान्धाता जनपद प्रतापगढ़ बताया है जिनके पास चालिस किलोग्राम अवैध गांजा (अनुमानित कीमत लगभग 12 लाख रुपये),तस्करी में प्रयुक्त ब्रेजा कार रजि0 नं0 यूपी 15 सीएल 1819 व तीन मोबाईल फोन बरामद किए गिरफ्तार अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास मनीष कुमार उर्फ मीनू पुत्र राजपाल उपरोक्त पर 1,मु0अ0सं0 649/2024 धारा 8/20/29/37/60 (3) एनडीपीएस एक्ट थाना गढ़मुक्तेश्वर जनपद हापुड। 2. मु0अ0सं0 350/2019 धारा 60/72 आबकारी अधिनियम थाना गढ़मुक्तेश्वर जनपद मेरठ,3. मु0अ0सं0 90/2021 धारा 307,34 भादवि थाना भावनपुर जनपद मेरठ,4. मु0अ0सं0 97/2021 घारा 63/72 आबकारी अधिनियम थाना भावनपुर जनपद मेरठ। वसीम पुत्र हाजी इस्माइल उपरोक्त,1. मु0अ0सं0 649/2024 घारा 8/20/29/37/60 (3) एनडीपीएस एक्ट थाना गढ़मुक्तेश्वर जनपद हापुड।,2. मु0अ0सं0 218/2023 धारा 323,352,452,504,506 भादवि थाना खेकडा जनपद बागपत में मुकदमे दर्ज हैं।

भाकियू संघर्ष ने बैंक मैनेजर के द्वारा किसानों का शोषण करने को लेकर केनरा बैंक मैनेजर का घेराव किया गया

उजाला हितैषी एक्सप्रेस

हापुड़। गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में केनरा बैंक के मैनेजर के द्वारा क्षेत्रीय किसानों का शोषण एवं अभद्र व्यवहार करने से त्रस्त आकर भारतीय किसान यूनियन संघर्ष (अराजनैतिक) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरनजीत सिंह गुर्जर के आदेशानुसार युवा प्रदेश अध्यक्ष नितेश पंडित के नेतृत्व में केनरा बैंक के मैनेजर द्वारा क्षेत्रवासियों का उत्पीड़न करने पर घेराव किया गया। बता दें कि गढ़मुक्तेश्वर में स्थित केनरा बैंक मैनेजर के द्वारा क्षेत्रीय किसानों को जाति सूचक शब्द से संबोधित करना आम बात है। उसके विरोध में आज भारतीय किसान यूनियन संघर्ष (अराजनैतिक) के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ क्षेत्रवासियों ने नारेबाजी करते हुए। केनरा बैंक मैनेजर का घेराव किया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस प्रशासन,स्थ ,डिस्ट्रिक्मैनेजर बैंक मैनेजर के समक्ष बैंक मैनेजर द्वारा मौके पर उपस्थित लोगों से माफी मांगी गई। उसके उपरांत किसानों का गुस्सा शांत हुआ।

संगठन के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व गढ़ नगर पालिका चेयरमैन कृष्णवीर सिंह गब्बर ने बताया कि भाकियू संघर्ष (अराजनैतिक) किसानों पर किसी भी तरह अत्याचार नहीं बर्दाश्त नहीं करेगी। इस मौके पर छात्र मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नितिन चौहान अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष साजिद मूछ,प्रदेश महासचिव अमित प्रधान,प्रदेश प्रभारी चिकित्सा प्रकोष्ठ डॉ जावेद, तहसील अध्यक्ष गढ़मुक्तेश्वर नेता कादिर,तहसील सचिव गढ़मुक्तेश्वर खालिद खान,तहसील उपाध्यक्ष नजाकत गुर्जर,हैप्पी चौहान, ज़िला संगठन मंत्री रिजवान चौधरी,ब्लॉक अध्यक्ष सतवीर राणा,तहसील सचिव फतह सिंह,ज़िला उपाध्यक्ष दीपक कुमार,जिला उपाध्यक्ष विनोद शर्मा, ज़िला सचिव पंकज कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

देव मेमौरियल पब्लिक स्कूल में बच्चों को जुम्बा व्यायाम के माध्यम से ठंड में गर्मी का एहसास कराया

उजाला हितैषी एक्सप्रेस

हापुड़। गढ़मुक्तेश्वर की तहसील गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के शाहपुर रोड पर स्थित देव मेमौरियल पब्लिक स्कूल गढ़मुक्तेश्वर में सर्दी के मौसम में सुबह की ठंड कोहरा और पाले से बचने के लिए पीटी, व्यायाम,योगा और संगीतमय् व्यायाम जिसका नाम जुम्बा व्यायाम रखकर कक्षा नर्सरी से कक्षा एक तक के बच्चों को जुम्बा व्यायाम के माध्यम से ठंड में गर्मी का एहसास कराया।

बता दें कि गुरूवार को देव मेमौरियल पब्लिक स्कूल में प्रार्थना के दौरान कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा एक तक के बच्चों को व्यायाम के माध्यम से संगीतमय् जुम्बा व्यायाम कराया गया। जिसमें सर्दी के ठिठुरते मौसम कोहरे, सर्द शीत लहर हवाओं, एवं पाले से बुरे हाल को लेकर दो मिनट में गर्मी का एहसास कराया। साथ ही बच्चों ने संगीतमय् व्यायाम के साथ शरीर को हिलाओं सर्दी भगाओं का आंनद उठाया।

इस मौके पर प्रधानाचार्य मंजू चौधरी, प्राइमरी कॉओडिनेटर कविता चौधरी, नीतू सिंह, वैशाली तनु चौहान, स्कूल कॉओडिनेटर योगेन्द्र सिंह, तनीष भड़ाना, प्रांजल शर्मा, गर्गी माहर, अशोक कुमार, ब्रज सिंह, अब्दुल रउफ, जूनियर विग कॉओडिनेटर राहुल सिंह, व प्रांयशी, वीके सिंह , रविश कुमार, संजय सिंह, सुधीर कुमार आदि उपस्थित रहे।

डिलीवरी ब्वॉय से मोबाइल लूटा

ग्रेटर नोएडा । संवाददाता सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में एक डिलीवरी ब्वॉय से मोबाइल लूट का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने घटना के डेढ़ महीने बाद लूट का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि लुटेरों को गिरफ्तार का घटना का खुलासा किया जाएगा। मूलरूप से जालौन का रहने वाला अंकुश सिंह सेक्टर म्यू दो स्थित शिव शक्ति अपार्टमेंट में किराए के फ्लैट में रहता है। वह जोमैटो में डिलीवरी ब्वॉय का काम करता है। पीड़ित के मुताबिक करीब डेढ़ महीने पहले मेट्रो डिपो गोल चक्कर के समीप बाइक सवार तीन बदमाशों ने उसका मोबाइल लूट लिया था। इस घटना की शिकायत पीड़ित ने पुलिस से की थी। पुलिस ने अब इस मामले में मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। लुटेरों को गिरफ्तार कर लूटा गया मोबाइल बरामद किया जाएगा।

वैलनेस अस्पताल की ओटी पर सीएमओ के निर्देश पर सील करने की कार्यवाही कराई गई है

डॉ सुनील त्यागी,सीएमओ, हापुड़

उजाला हितैषी एक्सप्रेस

हापुड़। हापुड़ नगर कोतवाली के सामने पुराने बस अड्डे में स्थित वैलनेस अस्पताल का मामला सामने आया है जहां एक महिला का सामान्य प्रसव होने के उपरांत महिला के परिजनों की बगैर अनुमति के उसकी बच्चेदानी निकालने दी जिसको लेकर भारतीय किसान यूनियन किसान सभा ने अस्पताल के विरुद्ध बिगुल बजाते हुए कानूनी कार्यवाही की मांग की और सीएमओ कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। जिसमें जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील कुमार त्यागी के द्वारा वैलनेस अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर पर सीलिंग की कार्यवाही की गई है। बताते चलें गर्भवती महिला गुड़िया को प्रसव पीड़ा होने पर परिजनों ने उसे वैलनेस अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां सामान्य प्रसव होने पर चिकित्सक उसके रक्तस्राव को नहीं रोक सके और चिकित्सकों ने महिला के पति को खून लेने के लिए भेज दिया और परिजनों की बगैर अनुमति गुड़िया का ऑपरेशन कर बच्चेदानी निकाल दी गई। जिसके बाद गुड़िया की हालत और बिगड़ गई। जिसका असर सीधे-सीधे गुड़िया की किडनी और गुर्दों पर हुआ। जिसके चलते पीड़िता वेंटिलेटर पर है। मामले की शिकायत पीड़ित परिजनों के द्वारा जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में की गई। लेकिन कोई सुनवाई नहीं होने पर भारतीय किसान यूनियन सभा ने जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया और अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी दी गई। जिस पर जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील कुमार त्यागी ने तत्काल गहनता से संज्ञान लेते हुए। नोडल अधिकारी डॉक्टर प्रवीण शर्मा को भेज कर वैलनेस अस्पताल की ओटी को सील करने की कार्यवाही कराई गई है।

97 वें बलिदान दिवस पर पं.रामप्रसाद बिस्मिल को दी श्रद्धांजलि

उजाला हितैषी एक्सप्रेस ब्यूरो

गाजियाबाद। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में महान देश भक्त,क्रांतिकारी पं. राम प्रसाद बिस्मिल के 97 वें बलिदान दिवस पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि बिस्मिल क्रांतिकारियों के सिरमौर थे ।वह सदैव युवा शक्ति के प्रेरणा स्रोत रहेंगे। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती से प्रेरणा लेकर वह क्रांतिकारी बन गए और बिस्मिल से प्रेरणा पाकर अनेक नोजवान आजादी की लड़ाई में कूद पड़े ।उनके घनिष्ठ मित्र अशफाकउल्ला खां भी उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चले ।उन्होंने सत्यार्थ प्रकाश से प्रेरणा लेकर महर्षि दयानन्द के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया था और अनेकों युवा साथियों को लेकर आजादी की लड़ाई में कूद पड़े ।देश की आजादी की लड़ाई को मजबूत करने के लिए हत्यारों और धन की आवश्यकता थी जिसे पूरा करने के लिए प्रसिद्ध काकोरी काण्ड को अंजाम दिया ।देश के युवाओं के लिये उनका जीवन सदियों तक प्रकाश पुंज बना रहेगा ।आज इतिहास को शुद्ध करके क्रांतिकारियों को सही सम्मान देने की आवश्यकता है,जिससे आने वाली पीढ़ियां उनके जीवन से प्रेरणा ग्रहण कर सकें। प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने कहा कि अमर शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल समस्त क्रांतिकारियों के गुरु थे व देश की आजादी के लिए संघर्षरत्त गर्म दल के क्रांति के जनक थे ।शाहजहांपुर की उर्वरा धरती में महान क्रांतिकारी पंडित रामप्रसाद बिस्मिल का जन्म हुआ ।आर्य समाज शाहजहांपुर के सत्संग में स्वामी सोमदेव जी के प्रवचनों को सुनके बालक बिस्मिल के मन पर गहरा प्रभाव पड़ा ।उनसे प्रभावित होकर पंडित बिस्मिल ने सत्यार्थ प्रकाश पढा,जिसको पढ़ कर बिस्मिल का सम्पूर्ण जीवन बदल गया ।नशे जैसी दुष्प्रवृत्ति में जकड़े नौजवानों ने सब बुराइयों को छोड़कर अपने जीवन को संयम तथा सदाचार के मार्ग पर लगा दिया ।महर्षि दयानन्द को अपना गुरु मानकर देश को आज़ाद कराने का संकल्प लिया तथा सम्पूर्ण जीवन देश को आजाद कराने में लगा दिया तथा देश की आजादी की लड़ाई लड़ते लड़ते फाँसी के फंदे को चूम लिया ।उन्होंने फांसी के फंदे को चूमते हुए कहा था मैं ब्रिटिश साम्राज्य का पतन चाहता हूं उन्होंने कहा कि जो फांसी पर चढ़े खेल में उनको याद करें,जो वर्षों तक सड़े जेल में उनको याद करें ।उन्होंने युवाओं से बिस्मिल के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री महेन्द्र भाई ने कहा कि शहीद देश की अमानत है,समय समय पर उनको याद करके हम उनके जीवन से प्रेरणा लेकर नयी उर्जा का संचार कर सकते हैं ।उन्होंने कहा कि बिस्मिल पहले क्रांतिकारी थे,जिनका वजन फांसी वाले दिन बढ़ गया था ।उन्होंने देश भक्ति से ओतप्रोत रचनाओं 卐तेरा वैभव अमर रहे मां,हम दिन चार रहें ना रहें एवं हे मातृभूमि तेरी,जय हो सदा विजय हो सुनाकर समा बांध दिया। आर्य नेता ओम सपरा ने कहा की राम प्रसाद बिस्मिल को वैदिक धर्म को जानने का सुअवसर प्राप्त हुआ ।इससे उनके जीवन में नये विचारों और विश्वासों का जन्म हुआ ।उन्हें एक नया जीवन मिला ।उन्हें सत्य,संयम,ब्रह्मचर्य का महत्व आदि समझ में आया। मुख्य अतिथि कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि बिस्मिल बहुत अच्छे शायर थे,उनका लिखा गीत सरफरोशी की तमन्ना हर व्यक्ति की जुबान से गाया जाता है ।बिस्मिल ने फांसी से तीन दिन पहले जेल में अपनी आत्म कथा लिखी थी जो हर नोजवान को पढ़नी चाहिए।

छात्रों ने फिट इंडिया वॉक में हिस्सा लिया

नोएडा ।एमिटी विश्वविद्यालय में स्वस्थ रहने के गुरुवार को छात्रों ने फिट इंडिया वॉक किया। छात्रों ने बैनर पोस्टर सहित 'फिटनेस का डोज़ आधा घंटा रोज का नारा लगाया। विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डॉ. बलविंदर शुक्ला ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे प्रधानमंत्री और युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा संचालित फिट इंडिया पहल के अंतर्गत एमिटी में फिट इंडिया सप्ताह का संचालन किया जा रहा है। इस दौरान एडिशनल प्रो वाइस चांसलर डा. संजीव बंसल, डॉ चंद्रदीप टंडन, फैकल्टी ऑफ एजुकेशन की डीन डॉ. कल्पना शर्मा, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन के निदेशक डा. संजय सिंह सहित हजारो की संख्या में छात्रों ने फिट इंडिया वॉक किया।

मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

उजाला हितैषी एक्सप्रेस ब्यूरो

हापुड़ । मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जिला प्रोबेशन अधिकारी स्मिता सिंह हापुड़ के निर्देशानुसार धौलाना तहसील सभागार में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गयाद्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि किशोर न्याय विभाग से स्वाति बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अभिषेक त्यागी और पोस कमेटी की सदस्या पिंकी त्यागी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विभिन्न अधिनियमों यथा बाल विवाह, बाल यौन शोषण, पोक्सो, महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न तथा किशोर न्याय अधिनियम के बारे में जानकारी दी गई साथ ही सभी को वन स्टॉप सेंटर एवं चाइल्ड हेल्प लाइन की कार्य प्रणाली के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई तथा महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाएं निराश्रित महिला पेंशन योजना, कन्या सुमंगला योजना, बाल सेवा योजना, स्पॉन्सरशिप योजना आदि योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई साथ ही महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर 181, 1090, 112, 1098, 102, 108, 1930 आदि हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी सोनिया सेन्टर मैनेजर वन स्टॉप सेंटर रविन्द्र कुमार विधि परिवीक्षा अधिकारी साजिद सेफी हुमा चौधरी उपस्थित रहीं

सिंभावली ब्लॉक के गांव माधापुर मौजमपुर में फटे हाल लहरा रही देश की शान तिरंगा झंडा

उजाला हितैषी एक्सप्रेस ब्यूरो

हापुड़। गढ़मुक्तेश्वर की तहसील गढ़ मुक्तेश्वर के विकासखंड सिंभावली के अंतर्गत आने वाले गांव माधापुर मौजमपुर में स्थित पंचायत सचिवालय भवन पर फटेहाल में लहरा रही है देश की शान तिरंगा झंडा और संबंधित विभागीय अधिकारी बने हुए हैं हलकान। आपको बता दें कि विकासखंड सिंभावली के अंतर्गत आने वाले गांव माधापुर मौजमपुर में स्थित पंचायत सचिवालय भवन पर 15 अगस्त 2024 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश की शान तिरंगा झंडा फहराया गया था। जिसके चलते किसी भी अधिकारी के द्वारा आज तक इस तिरंगे झंडे को उतार कर संभाल कर रखने की फुर्सत नहीं मिली है। और फटे हाल धूल मिट्टी में गंदा होने के चलते पंचायत भवन पर देश की शान तिरंगा झंडा आज भी लहराने के साथ सुरक्षित स्थिति में उतारे जाने को लेकर संबंधित विभागीय अधिकारियों की बाट जौह हो रहा है। देखने योग्य बात यह है कि इस राष्ट्रीय ध्वज को फहराने के चार महीने के उपरान्त भी आज तक किसी भी अधिकारी को सुरक्षित उतार कर रखने की याद नहीं आई है। और देख कर भी हलकान बने हुए हैं।

बैंकों एवं एीएम बूथों की सुरक्षा को लेकर हापुड़ पुलिस को सख्त दिशा निर्देश जारी किए हुए हैं

उजाला हितैषी एक्सप्रेस ब्यूरो

हापुड़ । एसपी कुंवर ज्ञानेंजय सिंह के द्वारा जनपद में गढ़मुक्तेश्वर बैंकों एवं एटीएम बूथों की सुरक्षा को लेकर हापुड़ पुलिस को सख्त दिशा निर्देश जारी किए हुए हैं। जिसको लेकर सभी थाना प्रभारी के द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र में स्थित बैंकों एटीएम बूथों के आसपास खड़े संदिग्ध वाहनों एवं लोगों की जामा तलाशी लेने के साथ सघन चेकिंग करने का अभियान जारी है। इसी क्रम में सिंभावली थाने में तैनात बैंक एवं एटीएम बूथों की चेकिंग के लिए निकले दरोगा ने बैंक में जाकर एवं एटीएम बूथों के आसपास खड़े लोगों की चेकिंग एवं पूछताछ करना भी नहीं समझा मुनासिब और बैंक ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड के द्वारा रजिस्टर को गाड़ी में मंगाकर ही गाड़ी की सीट पर बैठे-बैठे ही बैंक चेकिंग ड्यूटी की कर दी।

सपा छात्रसभा द्वारा गृहमंत्री के पुतले फूकने की साजिश को पुलिस ने किया नाकाम

उजाला हितैषी एक्सप्रेस ब्यूरो

हापुड़ । गृह मंत्री अमित शाह के बयान को लेकर समाजवादी पार्टी का गुस्सा फूट पड़ा और नगर के अतरपुरा चौराहे पर उनका पुतला फूंकने से पहले पुलिस ने साजिश को नाकाम कर दिया आपको बता दें गृहमंत्री अमित शाह ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को लेकर टिप्पणी की थी कि डॉ अंबेडकर कोई फैशन नहीं है इसी से गुस्सा होकर गुरुवार को समाजवादी पार्टी छात्र सभा के कार्यकर्ता गोल मार्केट की तरफ से गृहमंत्री अमित शाह का पुतला फूंकने के लिए हाथों में लेकर आ रहे थे। जैसे ही वह अतरपुरा चोपला पर पहुंचे तभी पुलिस ने पुतला छीन लिया और इस दौरान छात्र सभा के नेता व पुलिस के बीच काफी देर तक चली नोक झोंक हुई। बतातेचलें पूतला फूंकने की सूचना से पहले से ही पुलिस अलर्ट थी सपा कार्यकर्ताओं के पुतला फूंकने की साजिश को पुलिस ने नाकाम कर दिया।

अभ्युदय ग्रन्थ का विमोचन 20 दिसंबर 2024 को होगा

उजाला हितैषी एक्सप्रेस

वृन्दावन। मथुरा रोड़ स्थित रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम के स्वामी विवेकानंद ऑडोटोरियम में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रथम संस्थापक महामंत्री, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के अतिरिक्त महामंत्री, हजारीमल सोमानी नगर निगम इंटर कॉलेज, वृंदावन के पूर्व प्राचार्य एवं प्रमुख शिक्षाविद डॉ. विनोद बनर्जी द्वारा शिक्षा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में प्रदान की गई सुदीर्घ सेवाओं को और अपने अनुभवों को स्वयं द्वारा लिपिबद्ध आत्मकथ्य के रूप में प्रस्तुत अभ्युदय ग्रन्थ का विमोचन 20 दिसंबर 2024 शुक्रवार को दोपहर 2.30 बजे होगा।इस ग्रंथ के संपादक डॉक्टर भागवत कृष्ण नांगिया हैं।पद्मश्री मोहन स्वरूप भाटिया की अध्यक्षता में सम्पन्न होने वाले इस विमोचन समारोह की विशिष्ट अतिथि प्रख्यात फिल्म अभिनेत्री और सांसद श्रीमती हेमामालिनी एवं विधायक पंडित श्रीकांत शर्मा होंगे।यह जानकारी आयोजन के संयोजक डॉ. देव प्रकाश ने दी है।कार्यक्रम के सह संयोजक हरिओम गुप्ता व समन्वयक डॉ. कमल कौशिक ने सभी से इस आयोजन में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

एमआरपी से अधिक राशि वसूलने के आरोप में दो सेल्समैनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है

उजाला हितैषी एक्सप्रेस

नोएडा । नोएडा में आबकारी विभाग एक्शन मोड में हैं। विभाग ने शराब के ठेकों पर बड़ी कार्रवाई की है। यह कार्रवाई गुप्त जांच के बाद की गई। जिसमें सेल्समैन रंगे हाथ पकड़े गए। इस कार्रवाई में एमआरपी से अधिक राशि वसूलने के आरोप में दो सेल्समैनों के खिलाफ थाना फेज-3 में मुकदमा दर्ज किया गया है। नोएडा में गांव बसई स्थित बियर शॉप पर विभाग द्वारा भेजे गए गुप्त खरीदार शिवकुमार से सेल्समैन ने प्रति कैन 5 रुपये अधिक वसूले। जब इस अतिरिक्त राशि के बारे में पूछताछ की गई सेल्समैन ने स्वीकार कर लिया कि उसने अपने निजी फायदे के लिए यह राशि ली थी। ऐसे ही कार्रवाई मामूरा गांव में भी की गई। यहां स्थित देसी शराब की दुकान पर भेजे गए गुप्त खरीदार अमित से भी सेल्समैन ने प्रति टेट्रा पैक 5 रुपये अधिक वसूले। दोनों मामलों में थाना फेज-3 में एफआईआर दर्ज कर ली गई है आबकारी विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हम नियमित रूप से ऐसी चेकिंग कर रहे हैं। कोई भी विक्रेता एमआरपी से अधिक राशि नहीं वसूल सकता। इस तरह की गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि आबकारी विभाग द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक पैसे वसूलने वाले सेल्समैनों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है

सनातन संस्थान संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए नेशनल आइकन अवॉर्ड 2024 कार्यक्रम आयोजित किया गया

उजाला हितैषी एक्सप्रेस

नोएडा । नई दिल्ली मंडी हाउस स्थित दूरदर्शन भवन ऑडिटोरियम में भारती युवा वेलफेयर एसोसिएशन और द भारत न्यूज द्वारा आयोजित सनातन संस्थान संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए नेशनल आइकन अवॉर्ड 2024 कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें जीवन अर्पण सामाजिक सेवा संस्था के सदस्य अजय चौहान (युवा-समाजसेवी) को आइकन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष मोहित नारायण जी ने व डॉ संजीन साहने मैम और विनय चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यकम की शुरुआत की।

गैंगस्टर एक्ट के मामले चार लोगों को पांच-पांच वर्ष की कारावास

नोएडा । गौतम बुद्ध नगर जनपद की एक अदालत ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में चार बदमाशों को पांच-पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनायी है और उनपर पांच-पांच हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बिसरख थाने में 2019 मे पंजीकृत गैंगस्टर एक्ट के एक मामले में एक अदालत ने 18 दिसंबर को राजकुमार, संदीप, करण, राजू उर्फ राज बहादुर को दोषी पाते हुई उन्हें पांच वर्ष चार माह 15 दिन के कारावास की सजा सुनाई है। प्रवक्ता के अनुसार सभी अभियुक्तों पर पांच-पांच हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया। अर्थ दंड जमा न करने पर उन्हें 15-15 दिन की अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

घरेलू सहायक पांच लाख रुपये लेकर भागा

ग्रेटर नोएडा । सेक्टर जीटा-1 की सोसाइटी में रहने वाले सीनियर सिटीजन ने अपने घरेलू सहायक पर पांच लाख रुपये लेकर भागने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस से इसकी शिकायत की है। सूरजपुर पुलिस ने आरोपी नौकर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। सूरजपुर पुलिस के मुताबिक सेक्टर जीटा-1 स्थित सोसाइटी में सीनियर सिटीजन अजय सिरोही परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उन्होंने अपनी देखरेख और घर के कामकाज के लिए घरेलू सहायक रखा हुआ था। एक सप्ताह पहले वह घर से पांच लाख रुपये लेकर भाग गया। सूरजपुर कोतवाली प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपी रिपू सुदन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। आरोपी को गिरफ्तार कर रुपये बरामद किए जाएंगे।

विशेष सत्र बुलाने की मांग को लेकर भाजपा ने दिया दिल्ली विधानसभा परिसर में धरना

नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता की अगुवाई में दिल्ली भाजपा के विधायकों ने आज विधानसभा प्रांगण में धरना प्रदर्शन कर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने और कैग की सभी 14 रिपोर्ट्स को सदन पटल पर रखने की मांग की। विधायकों ने अपने हाथ में तख्तियां ली हुई थी जिन पर 'विधानसभा का सत्र बुलाओ, सीएजी रिपोर्ट सदन में लाओ' और सीएजी रिपोर्ट मत दबाओ, विधानसभा का सत्र बुलाओ, सीएजी रिपोर्ट सदन में लाओ' जैसे नारे लिखे हुए थे। इस प्रदर्शन में नेता प्रतिपक्ष के साथ भाजपा विधायक मोहन सिंह बिष्ट, ओम प्रकाश शर्मा, अभय वर्मा, अजय महावर, जितेंद्र महाजन और अनिल वाजपेयी भी उपस्थित थे। विजेंद्र गुप्ता ने आआपा सरकार पर अपने भ्रष्टाचार और वित्तीय कारगुजारियों को छुपाने के मकसद से जानबूझकर कैग की रिपोर्ट्स को सदन पटल में न रखने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों से भाग रही है। भाजपा विधायकों ने सरकार पर लोकतंत्र की दिनदहाड़े हत्या करने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार अपने तानाशाही तरीके से सदन को चलाती रही है और भाजपा विधायकों को सदन में जनहित के मुद्दों पर चर्चा नहीं करने देती है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उनकी आवाज़ को लगातार दबाया गया और कैग की रिपोर्ट्स को सदन में रखने की उनकी मांग को सरकार अनसुना करती रही। मजबूरन भाजपा विधायक दल को हाई कोर्ट में याचिका दायर करनी पड़ी। जिस पर सुनवाई के दौरान सरकार ने दो-तीन दिन के अंदर ही कैग की रिपोर्ट्स को सदन में रखने का आश्वासन कोर्ट के समक्ष दिया। दिल्ली के उपराज्यपाल ने भी मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र लिखकर 19-20 दिसंबर को विशेष सत्र बुलाने और उसमें रिपोर्ट्स प्रस्तुत करने के लिए कहा, इसके बावजूद सरकार ने अभी तक सत्र बुलाने की कोई घोषणा नहीं की है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की मनमानी और तानाशाही स्वीकार नहीं की जाएगी। विपक्ष सड़कों पर आंदोलन चलायेगा और सरकार को मजबूर कर देगा कि वह विशेष सत्र बुलाकर कैग की रिपोर्ट्स को सदन के पटल पर रखे। अगर तब भी सरकार ने ये रिपोर्ट्स प्रस्तुत नहीं की तो विपक्ष फिर से हाई कोर्ट की शरण लेगा। विधानसभा परिसर में सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन कर अपना विरोध जताने के बाद भाजपा के सभी विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल से भेंट कर उन्हें ज्ञापन सौंपा और विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर उसमें सरकार को कैग की सभी 14 रिपोर्ट्स पेश करने का आदेश देने की मांग की।

कैम्ब्रिज मेयर बैजू थिट्टाला ने दिल्ली सरकार के बी.आर.अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस का किया दौरा

नई दिल्ली । दिल्ली में गुरुवार को कैम्ब्रिज के मेयर बैजू थिट्टाला ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस (एएसओएसई), एंड्रयूज गंज का दौरा किया। इस मौके पर दिल्ली कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज और कैंब्रिज विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष वारीश प्रताप भी मौजूद रहे। परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स स्पेशलाइजेशन के इस स्कूल में स्टूडेंट्स के म्यूजिक बैंड ने दोनों का स्वागत किया। इसके बाद दोनों ने स्कूल प्रांगण में लगे फाइन आर्ट्स की प्रदर्शनी का जायजा लिया। विजिट के दौरान मेयर बैजू थिट्टाला ने स्कल्प्चर लैब, म्यूजिक रूम और विजुअल आर्ट्स के लैबों का दौरा किया, स्टूडेंट्स की बनाई कलाकृतियों को देखा और उनसे बातचीत की। विजिट के दौरान कैम्ब्रिज मेयर बैजू थिट्टाला ने सबसे पहले स्कूल प्रांगण में स्टूडेंट द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी को देखा। यहाँ छात्रों द्वारा विभिन्न भारतीय चित्रकला शैली के फाइन आर्ट पेंटिंग्स की प्रदर्शनी की गई थी। प्रदर्शनी में छात्रों द्वारा बनाई गई बंगला चित्रकला शैली की पेंटिंग्स और कलाकृतियों को मेयर ने काफी सराहा। स्कूल में म्यूजिक लैब में विजिट के दौरान छात्रों ने कैम्ब्रिज मेयर के सामने अपनी कला का प्रदर्शन किया। छात्रों में विभिन्न म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट की धुन पर पहले वेस्टर्न म्यूजिक और उसके बाद क्लासिकल इंडियन म्यूजिक की प्रस्तुति की। संगीत की धुन पर मेयर भी थिरकने लगे थे। म्यूजिक लैब के बाद मेयर ने फाइन आर्ट्स के लैबों का दौरा किया, स्टूडेंट्स की बनाई कलाकृतियां देखी। साथ ही स्कल्प्चर लैब में मिट्टी पर स्टूडेंट्स द्वारा बनाई गई महीन कलाकृतियों को भी देखा और स्टूडेंट्स से बातचीत की। इस मौके पर कैम्ब्रिज मेयर बैजू थिट्टाला ने दिल्ली के शिक्षा मॉडल के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की और एक सर्वांगीण शिक्षा प्रदान करने की प्रतिबद्धता के लिए सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा, दिल्ली के सरकारी स्कूलों में आए ये बदलाव बहुत सकारात्मक है। यहां बच्चों को मिल रही सुविधाएं, शिक्षकों द्वारा पढ़ने-पढ़ाने का इनोवेटिव तरीका अपनाना बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने स्टूडेंट्स को प्रेरित करते हुए कहा, वो इसी तरह मेहनत करते रहें, अपने स्किल्स के दम पर वो हर मुकाम हासिल करेंगे। विजिट के दौरान कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कैम्ब्रिज मेयर को एएसओएसई में सिखाए जा रहे विभिन्न करिकुलम के बारे में जानकारी प्रदान की। इस दौरान उन्होंने कहा, अपने स्कूल में कैम्ब्रिज मेयर की मेजबानी करना सौभाग्य की बात है। उनका हमारे स्कूल में आना और यहां सीखने के लिए अपनाए जा रहे इनोवेटिव तरीक़ों से रूबरू होना न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि वैश्विक मंच पर भी शिक्षा के प्रति दिल्ली सरकार के समर्पण को दिखाता है। कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि बी.आर. अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस, शिक्षा के क्षेत्र में इनोवेशन के एक प्रतीक के रूप में है। ये सीखने का एक ऐसा माहौल तैयार करता है, जहां छात्र न केवल मुख्य विषयों को सीखते हैं बल्कि आधुनिक दुनिया की चुनौतियों से निपटने के लिए महत्वपूर्ण स्किल्स भी सीखते हैं।

उन्होंने कहा,अब तक सिस्टम में ऐसे स्कूल थे जो बच्चों को डॉक्टर-इंजीनियर बनाना तय करते थे7 लेकिन कभी किसी ने यह कल्पना नहीं की थी कि ऐसे स्कूल भी होंगे जहां बच्चों के अंदर की प्रतिभा को निखारते हुए यह तय किया जाएगा कि उन्हें आर्टिस्ट बनाना है7 उन्होंने कहा कि, दिल्ली सरकार ने अपने परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स डोमेन के इन स्कूलों के ज़रिए इस सपने को पूरा करने का काम किया है। गौरतलब है कि कैंब्रिज मेयर बैजू थिट्ठाला भारतीय नागरिक हैं एवं मूलतः केरल के कोट्टायम के रहने वाले हैं। वर्ष 2004 में इंग्लैंड जाने से पहले वह लगभग 8 साल दिल्ली में भी रहे हैं । बच्चों से भेंट करते हुए उन्होंने अपने गांव से कैंब्रिज मेयर तक की यात्रा के कई रोचक संस्मरण साझा किए तथा हौसला अफजाई की।

छात्र देश के विकास में योगदान दें - उपराज्यपाल

नई दिल्ली । दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 39 सौ से अधिक छात्रों को स्नातक, परास्नातक और पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई। उपराज्यपाल ने छात्रों को डिग्री प्रदान की। इनमें 2,894 स्नातक, 809 परास्नातक और 207 पीएचडी डिग्री शामिल है। उपराज्यपाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी को अवसरों का सही उपयोग करते हुए विजेता बनना चाहिए। उन्होंने छात्रों को अपने जीवन के प्रत्येक पहलू में जिम्मेदारी निभाने और देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे केवल मौके का इंतजार न करें बल्कि अपनी प्रतिभा के दम पर अवसर पैदा करें और उनका सही उपयोग कर विजेता बनें। उन्होंने छात्रों को कृतज्ञता का महत्व बताते हुए कहा कि डिग्रियां केवल पढ़ाई के खर्च की रसीदें हैं। ज्ञान वही है जो दूसरों के प्रति आपके व्यवहार में झलकता है। समारोह में छात्रों, उनके परिवारों और फैकल्टी सदस्यों के साथ ही अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस दीक्षांत समारोह में विभिन्न विषयों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 45 विद्यार्थियों को वाइस-चांसलर गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अनिल काकोडकर ने दीक्षांत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि छात्रों को केवल नौकरी लेने वाला नहीं बल्कि नौकरी देने वाला बनना चाहिए। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। डीटीयू के कुलपति प्रो. प्रतीक शर्मा ने दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की वर्ष 2023-24 की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 में विश्वविद्यालय ने बीएससी-एमएससी एकीकृत कार्यक्रम, भू-स्थानिक विज्ञान में मास्टर्स प्रोग्राम और एम.टेक बाय रिसर्च जैसे कई नए पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। विश्वविद्यालय के छात्रों को वर्ष 2023-24 में 2053 प्लेसमेंट ऑफर मिले। इस साल का उच्चतम पैकेज 85.03 लाख और औसत पैकेज 15 लाख सालाना का रहा। नवाचार के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन सेंटर ने 57 स्टार्टअप्स को विकसित किया है। इस अवसर पर समुदाय विकास और अनुसंधान केंद्र, ऊर्जा परिवर्तन में उत्कृष्टता के लिए नोडल केंद्र की स्थापना की गई ताकि सतत ऊर्जा प्रौद्योगिकियों पर शोध को प्रोत्साहित करने और वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्यों का पूरा किया जा सके।

राष्ट्रपति मुर्मू ने गोवा मुक्ति दिवस पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को गोवा के मुक्ति दिवस पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि राष्ट्र निडर स्वतंत्रता सेनानियों और सशस्त्र बलों को उनके असाधारण साहस के लिए नमन करता है।वर्ष 1961 में पुर्तगालियों से राज्य को मुक्त कराने के लिए सशस्त्र बलों के 'ऑपरेशन विजय' की सफलता की याद में हर साल 19 दिसंबर को गोवा मुक्ति दिवस मनाया जाता है। मुर्मू ने एक पोस्ट में कहा, 'गोवा मुक्ति दिवस पर, राष्ट्र उन वीरों को श्रद्धांजलि देता है जिन्होंने औपनिवेशिक शासन से गोवा की मुक्ति के लिए निस्वार्थ बलिदान दिया। हम निडर स्वतंत्रता सेनानियों और हमारे सशस्त्र बलों को उनके असाधारण साहस व अटूट समर्पण के लिए नमन करते हैं।'उन्होंने कहा, 'मैं गोवा के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं और उनके समृद्ध भविष्य की कामना करती हूं।'

दिल्ली में एक्यूआई 'गंभीर' श्रेणी में, न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार को वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में रही, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से करीब तीन डिग्री कम पांच डिग्री सेल्सियस रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 450 रहा। शहर के 38 निगरानी केंद्रों में से 32 में वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 को 'संतोषजनक', 101 से 200 को 'मध्यम', 201 से 300 को 'खराब', 301 से 400 को 'बेहद खराब' और 401 से 500 को 'गंभीर' माना जाता है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है, जबकि शुक्रवार को बेहद घने कोहरे का पूर्वानुमान जताते हुए 'येलो' अलर्ट जारी किया गया है।

युवा कांग्रेस ने किया अमित शाह के खिलाफ प्रदर्शन

नई दिल्ली । युवा कांग्रेस ने गुरुवार को यहां बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के खिलाफ गृह मंत्री अमित शाह के बयान के विरोध में प्रदर्शन किया और कहा कि श्री शाह अपने बयान के लिए माफी मांगें वरना संगठन के कार्यकर्ता अब सड़कों पर उतर कर देशव्यापी प्रदर्शन करेंगे। युवा कांग्रेस के प्रवक्ता वरुण पांडे के अनुसार संगठन के कार्यकर्ता प्रदर्शन के लिए युवा कांग्रेस के कार्यालय के बाहर एकत्रित हुए और उन्होंने वहां विरोध प्रदर्शन शुरु कर दिया, लेकिन पुलिस ने कडी बैरिकेडिंग कर सभी कार्यकर्ताओं को आगे नहीं बढ़ने दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नियत बाबा साहब अम्बेडकर और संविधान विरोधी है। श्री शाह ने बाबा साहब का अपमान किया है और ये सब पूरी दुनिया ने देखा है। बाबा साहब का अपमान देश सहन नहीं कर सकता इसलिए युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता श्री शाह के बयान के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सदन में बाबा साहब का अपमान करने के लिए श्री शाह देश से माफ़ी मांगे। लोकतंत्र के मंदिर में भाजपा तानाशाही कर रही है। भाजपा सांसद हाथों में डंडे लगे प्लेकार्ड लेकर विपक्ष के सांसदों को सदन में जाने से रोक रहे हैं, इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष चिब ने इस दौरान प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की नियत बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर और संविधान विरोधी है। श्री शाह ने बाबा साहेब का अपमान किया है और ये सब पूरी दुनिया ने देखा है। बाबा साहेब का अपमान देश सहन नहीं कर सकता इसलिए युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता श्री शाह के बयान के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सदन में बाबा साहब का अपमान करने के लिए श्री शाह देश से माफ़ी मांगे। लोकतंत्र के मंदिर में भाजपा तानाशाही कर रही है। भाजपा सांसद हाथों में डंडे लगे प्लेकार्ड लेकर विपक्ष के सांसदों को सदन में जाने से रोक रहे हैं, इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कार में अश्लील हरकत कर रहे महिला-पुरुष गिरफ्तार

नोएडा । पुलिस ने बुधवार रात सेक्टर-50 स्थित मेट्रो स्टेशन के निकट सड़क किनारे कार में अश्लील हरकत कर रहे महिला-पुरुष को गिरफ्तार किया। पुलिस ने एमवी ऐक्ट की धारा में उनकी कार को भी सीज कर दिया। पुलिस को बुधवार रात करीब 11 सूचना मिली कि सेक्टर-50 मेट्रो स्टेशन के निकट सड़क किनारे झाड़ियों में एक कार खड़ी है। उसमें एक महिला और एक पुरुष अश्लील हरकतें कर रहे हैं।

इससे वहां से गुजरने वाली महिलाओं को असहजता का सामना करना पड़ रहा है। पुलिस मौके पहुंची और महिला और पुरुष को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान दोनों ने पुलिस को बताया कि दोनों एक दूसरे को काफी दिन से जानते हैं। दोनों ने पुलिस से अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफी मांगी।

आरोपी पुरुष की पहचान बरौला गांव निवासी के रूप में हुई, जबकि 31 वर्षीय महिला मूलरूप से बिहार के सीतामढ़ी की रहने वाली है। वह वर्तमान में ग्रेटर नोएडा के एक गांव में रहती है। एडीसीपी मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि पुलिस ने बीएनएस की धारा 296 के तहत दोनों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने संसद परिसर में प्रदर्शन के दौरान चोटिल हुए भाजपा सांसद सारंगी, राजपूत से बात की

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद भवन परिसर में सत्ता पक्ष और विपक्ष के प्रदर्शन के दौरान चोटिल हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत से बात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। सूत्रों ने यह जानकारी दी। बाबासाहेब आंबेडकर के अपमान से संबंधित मुद्दे पर विपक्ष और सत्तापक्ष के सदस्यों ने बृहस्पतिवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया और इस दौरान कथित तौर पर हुई धक्का-मुक्की में सारंगी और राजपूत चोटिल हो गए। दोनों को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। भाजपा के निशिकांत दुबे ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर वरिष्ठ नेता सारंगी को धक्का देने का आरोप लगाया। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया, ''राहुल गांधी मारपीट करने के लिए बीच में घुसे थे। उनका व्यवहार मानो गुंडे का व्यवहार था, यह देश गुंडे को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने हमारे एक बुजुर्ग सांसद को धक्का देकर गिरा दिया।''दुबे ने बताया कि ओडिशा के बालासोर से भाजपा सदस्य 69 वर्षीय सारंगी की बाईं कनपटी पर चोट आई है। सारंगी ने संवाददाताओं से कहा, ''राहुल गांधी ने एक सांसद को धक्का दिया, जो मुझ पर गिर गए और मैं घायल हो गया।''सारंगी को बाद में एम्बुलेंस में इलाज के लिए राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया। बाद में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रह्लाद जोशी ने सारंगी और राजपूत से मुलाकात की और उनका हालचाल पूछा। चौहान ने बताया कि रक्तस्राव को रोकने के लिए सारंगी को कुछ टांके लगाए गए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा, ''सारंगी को लगी चोटों की जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।''उन्होंने कहा, ''संसद शारीरिक शक्ति दिखाने की जगह नहीं है। यह कुश्ती करने का अखाड़ा नहीं है।''लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि भाजपा सांसदों ने उन्हें और अन्य विपक्षी सदस्यों को संसद भवन में जाने से रोका और धक्का-मुक्की की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर से संबंधित टिप्पणी को लेकर विरोध जताते हुए विपक्षी सदस्यों ने मार्च निकाला तो भाजपा सांसदों ने कांग्रेस पर बाबासाहेब के अपमान का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। संसद भवन के 'मकर द्वार' के निकट सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्य एक दूसरे के सामने आ गए और जमकर नारेबाजी की।

लालू यादव के अमित शाह पर बयान से बिहार की सियासत गरमाई, भाजपा-जदयू ने किया पलटवार

पटना । राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेकर दिए गए बयान के बाद प्रदेश की सियासत गर्म हो गई है। भाजपा और जदयू के नेताओं ने राजद नेता लालू यादव पर जोरदार सियासी हमला बोला है। बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने लालू यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि लालू यादव शारीरिक रूप से तो कमजोर थे ही, मानसिक रूप से भी कमजोर हो गए हैं। लालू यादव को यह पता नहीं है कि उन्होंने कांग्रेस की गोद में बैठकर देश को आतंकवादियों के हवाले किया था, यह वही गृहमंत्री अमित शाह हैं, जिन्होंने आतंकवादियों और उग्रवादियों से भारत को मुक्त किया है। यह वही गृहमंत्री हैं, जो कश्मीर से कन्याकुमारी तक एक भारत, श्रेष्ठ भारत बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि लालू यादव जैसे लोग देश को कमजोर करते हैं। लालू यादव हों या अरविंद केजरीवाल, सब कांग्रेस के चरित्र के स्वरूप में वातावरण को दूषित करने का काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहेब को केवल सम्मान ही नहीं दिया, इनके पांच तीर्थ भी बनाए। बिहार के मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने लालू यादव के बयान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो जैसा 'समझदार' रहेगा, वह वैसा ही बोलेगा। वहीं, बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू यादव राजनीतिक तौर पर एक चोर की तरह साबित हुए हैं, ऐसे लोग केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को क्या बोलेंगे? लालू यादव बिहार के खजाने को चुराने वाले एक चोर हैं, जिसने चोरी करके बिहार के गरीबों का पैसा चुराने का काम किया। ये पंजीकृत अपराधी आज देश के गृह मंत्री को अपशब्द कहने का काम कर रहे हैं। लालू यादव जैसा अपराधी जिस राज्य में रहेगा, वह राज्य कभी बड़ा नहीं हो सकता। यह दुर्भाग्य है कि लालू जैसे राजनेता को बिहार के लोगों को झेलना पड़ता है। उन्होंने कहा कि लालू यादव यह कहकर जेल से बाहर आए हैं कि वह बीमार हैं। बाहर आकर वे राजनीति कर रहे हैं और लोगों को अपशब्द कहने का काम कर रहे हैं। बिहार की राजनीति का वो बदनुमा दाग हैं। भीमराव अंबेडकर के अगर सपने को किसी ने पूरा किया है तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। लालू यादव 1990 में कहते थे कि रानी के पेट से राजा पैदा नहीं होगा, लेकिन वे पहले रानी लाए और फिर राजकुमार लाए, इसके बाद राजकुमारी लाए। अब लालू यादव किसको लेकर आएंगे। बिहार में लोकतंत्र के हत्यारे लालू यादव हैं।

राहुल और प्रियंका गांधी को अंबेडकर के मूल ग्रंथों को पढ़ने की जरूरत - इंदर सिंह परमार

भोपाल । मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कांग्रेस पर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेताओं से डॉ अंबेडकर के मूल ग्रंथों को पढ़ने की सलाह दी है। उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने गुरुवार को संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि संविधान के निर्माण में डॉ अंबेडकर ने बड़ा योगदान दिया, वे इस देश के राष्ट्र पुरुष है और किसी पंथ जाति से ऊपर हैं। कांग्रेस के लोग जब डॉ अंबेडकर की बात करते हैं तो उन्हें अपने पूर्वजों के इतिहास को देखना चाहिए। क्या कभी उन्होंने डॉ अंबेडकर को चुनाव जीतने दिया। डॉ अंबेडकर ने दुनिया के हर मंच पर कांग्रेस की दोगली नीति की आलोचना की, क्योंकि कांग्रेस की कथनी और करनी में अंतर रहा है। बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति के लिए उच्च शिक्षा मंत्री ने कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा, बांग्लादेश में आज जो भुगत रहे हैं वह कांग्रेस की देन है। डॉ अंबेडकर के अनुसार चला जाता तो यह भुगतना नहीं पड़ता, पाकिस्तान नहीं बनता। कांग्रेस ने डॉ अंबेडकर के कहे को नहीं माना और देश में आतंकवाद और अराजकता है। डॉ अंबेडकर के मूल ग्रंथों को कांग्रेस के लोगों को पढ़ने की जरूरत है खासकर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को। ऐसा इसलिए क्योंकि राहुल और प्रियंका को भारत की धरती का कम ज्ञान है और यह मान्यता भी है जो विदेशों के द्वारा पोषित संस्थान देश में चलाते हैं उनकी मानसिकता भी उसी प्रकार की होती है। मुझे लगता है कि कांग्रेस को वही हो गया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान को लेकर उन्होंने स्पष्ट किया और कहा कि कांग्रेस के लोग रोज बाबा साहब अंबेडकर का नाम लेते हैं, मगर काम उल्टा करते हैं और इन्होंने बाबासाहेब का अपमान भी किया है। कई सालों तक कांग्रेस सरकार में रही मगर उनसे जुड़े पांच स्थानों के उद्धार और स्थापित करने का काम नरेंद्र मोदी सरकार ने किया

जिसमें अमित शाह मंत्री हैं। मंत्री परमार ने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार का स्पष्ट मत है कि भारत की मान्यताओं में, भारत की सभ्यता में डॉ अंबेडकर का विशेष स्थान है। वह सब के लिए सम्मानीय हैं। भारतीय संविधान में उनका अतुलनीय योगदान है।

कांग्रेस की ओर से भाजपा पर संविधान बदलने का आरोप लगाए जाने का जवाब देते हुए कहा कि जहां तक संविधान को बदलने की बात है तो कांग्रेस विचार करे कि उन्होंने कितनी बार भारत के संविधान को बदलने की कोशिश की। यहां तक की उन्होंने मूल भावना को भी बदल दिया। भीमराव अंबेडकर ने धर्मनिरपेक्ष शब्द नहीं लिखा था, पंथनिरपेक्षता लिखा था। अंबेडकर के उस दर्शन को बदलने का पाप तो कांग्रेस ने ही किया है।

संसद भवन के द्वार पर धक्का-मुक्की में भाजपा के दो सांसद घायल

नई दिल्ली । संसद भवन के मकर द्वार पर गृह मंत्री अमित शाह के राज्यसभा में डॉ. भीमराव अंबेडकर के बारे में दिये गये बयान के विरोध में गुरुवार को प्रदर्शन कर रहे इंडी गठबंधन के सांसदों एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ धक्का-मुक्की में गिरकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो सांसद घायल हो गये, जिन्हें यहां उपचार के लिए राममनोहर लोहिया अस्पताल में ले जाया गया।

संसद भवन के मकर द्वार पर पूर्वाह्न 11 बजे बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर का चित्र लेकर भाजपा और इंडिया समूह के सांसद प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान हुई धक्का-मुक्की में भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत गिर गये जिससे वे घायल हो गये। श्री सारंगी के सिर में चोट आयी है। श्री सारंगी को व्हील चेयर पर और श्री राजपूत को स्ट्रेचर पर एम्बुलेंस तक ले जाया गया। श्री सारंगी ने कहा कि वह सीढ़ियों के पास खड़े थे तभी कांग्रेस के नेता राहुल गांधी आये और उन्होंने एक सांसद को धक्का दिया जो मेरे (श्री सारंगी के) ऊपर गिरा जिससे वह भी गिर गये। बाद में दोनों घायल सांसदों को यहां डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल में ले जाया गया। पता चला है कि श्री राजपूत को आईसीयू में भर्ती कराया गया है। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि इस धक्कामुक्की में दो नेता घायल हुए हैं। 4-5 अन्य सांसदों ने इस बारे में शिकायत की है...सभी सांसदों को विरोध करने का अधिकार है। उन्होंने (राहुल गांधी) शारीरिक हिंसा की और वे सारंगी जी की हालत देखने भी नहीं गए। उन्होंने (कांग्रेस ने) हमेशा बीआर अंबेडकर के साथ अन्याय किया है। उन्होंने हमेशा उनका अपमान किया है। हम अस्पताल से रिपोर्ट के अनुसार कार्रवाई करेंगे। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, संसदीय इतिहास में यह एक काला दिन है। मर्यादा को तार-तार कर दिया गया है। लोकतंत्र को तार-तार कर दिया गया है। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की गुंडागर्दी जैसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं है। भारत के संसदीय इतिहास में ऐसा आचरण कभी नहीं देखा गया। अगर वे हरियाणा और महाराष्ट्र हार गए तो वे संसद में अपनी हताशा क्यों निकाल रहे हैं? राहुल गांधी और कांग्रेस के लोगों को लोकतंत्र में आचरण को समझने के लिए एक कार्यशाला बुलाई जानी चाहिए। मैं दुखी हूं।

श्री अमित शाह के भाषण ने कांग्रेस को बेनकाब कर दिया है। वे इससे इतने हताश हो गए हैं कि अब गुंडागर्दी पर उतर आए हैं। हम इस गुंडागर्दी की निंदा करते हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजीजू ने कहा कि मकर द्वार लोकसभा और राज्यसभा दोनों में सांसदों के प्रवेश का मुख्य द्वार है। कांग्रेस और उनके अन्य सांसद उस विशेष स्थान पर खड़े रहे और पूरे सत्र के दौरान वे तख्तियां दिखाते रहे और नारे लगाते रहे। आज पहली बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसद 1951 के बाद से कांग्रेस पार्टी द्वारा अंबेडकर के अपमान के खिलाफ विरोध करने वहां गए थे। जब राजग के सांसद मकर द्वार, मुख्य द्वार पर विरोध कर रहे थे, तब राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस के सांसद आए और भाजपा के दो सांसदों पर हमला किया, उन्हें धक्का दिया और अन्य सांसदों के साथ भी धक्का-मुक्की की। भाजपा के दो सांसद प्रताप सिंह सारंगी और मुकेश राजपूत को गंभीर चोटें आई हैं। श्री रिजीजू ने कहा, मैं राहुल गांधी से कहना चाहता हूं कि अगर आप इस तरह की शारीरिक हिंसा का सहारा लेंगे, अगर अन्य सांसद भी शारीरिक हिंसा का सहारा लेने लगेंगे, तो क्या होगा? हम लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। राहुल गांधी को अन्य सांसदों के खिलाफ अपनी शारीरिक शक्ति का उपयोग करने का अधिकार किसने दिया है। इसका मतलब यह नहीं है कि अन्य सांसद कमजोर हैं। यह सिर्फ़ इसलिए है क्योंकि हम अहिंसा में विश्वास करते हैं और हम लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। राहुल गांधी द्वारा सांसदों पर शारीरिक हमला निंदनीय है। यह उनके गुस्से, उनकी हताशा का घोर दुरुपयोग है और जिस तरह से राहुल गांधी ने संसद के साथ व्यवहार किया है, उससे पता चलता है कि राहुल गांधी लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते हैं। मैं राहुल गांधी से कहना चाहता हूँ कि हम देखेंगे कि हम क्या उचित कार्रवाई कर सकते हैं। लेकिन उन्हें देश से माफ़ी मांगनी चाहिए कि उन्होंने दूसरे सांसदों के खिलाफ़ अपनी शारीरिक शक्ति का इस्तेमाल किया है। हम सिर्फ़ इसलिए शारीरिक जवाबी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं क्योंकि हम लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। हम दूसरे सांसदों के खिलाफ़ अपनी शारीरिक शक्ति का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं क्योंकि हम उसमें विश्वास नहीं करते हैं। हम अहिंसा में विश्वास करते हैं। राहुल गांधी को समझना चाहिए और देश से और उन सांसदों से माफ़ी मांगनी चाहिए जिन्हें उन्होंने सबसे गंभीर चोट पहुँचाई है। उचित कार्रवाई की जाएगी। सबसे पहले, हम चोट के स्तर को देखेंगे क्योंकि रिपोर्ट के अनुसार चोट काफी गंभीर थी और थोड़ा खून भी बह रहा था। अभी चिकित्सा उपचार चल रहा है। हम अब स्थिति देखेंगे। उधर राममनोहर लोहिया अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शुक्ला ने कहा कि हम दोनों (प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत) को स्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं, जांच की जा रही है। टेस्ट किए जाएंगे। लक्षणात्मक उपचार शुरू हो गया है।

चूंकि दोनों के सिर में चोट लगी है, इसलिए उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया है। प्रताप सारंगी को बहुत ज़्यादा रक्तस्राव हो रहा था और उन्हें गहरा घाव भी हुआ था। इसलिए उन्हें टाँके लगाने पड़े। उनकी जांच की जा रही है। मुकेश राजपूत बेहोश हो गए थे। अभी वे होश में हैं, लेकिन उन्हें चक्कर आ रहे हैं और बेचैनी हो रही है। उनका रक्तचाप बढ़ गया था।

'हमारा बिहार, हमारी सड़क' ऐप से ग्रामीण यातायात में होगा सुधार - नीतीश

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को हमारा बिहार हमारी सड़क नामक मोबाइल एप्लीकेशन का शुभारंभ किया। इस ऐप का उद्देश्य ग्रामीण सड़कों की स्थिति में सुधार लाना और उनके मेंटेनेंस में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करना है। इस नई पहल से राज्य के लोग अब सीधे अपनी सड़कों की समस्याएं सरकार तक पहुंचा सकेंगे। इस मोबाइल ऐप को विशेष रूप से बिहार की ग्रामीण सड़कों की देखभाल और मेंटेनेंस के लिए विकसित किया गया है। लोग अपने मोबाइल फोन से खराब सड़कों की फोटो और समस्याओं की रिपोर्ट सीधे संबंधित अधिकारियों को भेज सकेंगे। दर्ज की गई शिकायतों का समाधान तय समय सीमा के भीतर किया जाएगा। समाधान प्रक्रिया और अपडेट ऐप पर उपलब्ध होंगे, जिससे लोगों को काम की प्रगति की जानकारी मिलती रहेगी। लॉन्च कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ऐप सड़कों की देखभाल में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने जनता से इसे अधिक से अधिक इस्तेमाल करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा, सड़क खराब होने की जानकारी अब सीधे अधिकारी तक पहुंचेगी। आप इसे अपने मोबाइल में डाउनलोड करें और सड़क की स्थिति की रिपोर्ट भेजें। इससे समस्या का तुरंत समाधान हो सकेगा। इस ऐप के माध्यम से पूरे बिहार की ग्रामीण सड़कों की देखभाल की जाएगी। लोग गड्ढों या अन्य समस्याओं की तस्वीरें खींचकर रिपोर्ट कर सकते हैं। यूजर्स अपने प्रखंड या क्षेत्र की सड़कों का चयन कर सकते हैं। समस्या हल होने पर ऐप में जानकारी अपडेट की जाएगी। यह प्लेटफॉर्म जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करेगा। इस कार्यक्रम में ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी और बिहार के मुख्य सचिव समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने भी इस ऐप की सराहना की और इसे ग्रामीण विकास में अहम कदम बताया। शिकायतों का निपटारा तेजी से किया जाएगा। यह पहल सरकार और जनता के बीच भरोसा बढ़ाएगी। सड़कों की बेहतर स्थिति से ग्रामीण इलाकों की कनेक्टिविटी और विकास में सुधार होगा। ऐप के जरिए सड़कों की देखरेख में जवाबदेही सुनिश्चित होगी। इस पहल से बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों की सड़क समस्याओं का समाधान आसान हो जाएगा।

सरकार का यह कदम न केवल बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा बल्कि लोगों के जीवन स्तर में भी सुधार लाएगा। हमारा बिहार हमारी सड़क ऐप बिहार की ग्रामीण जनता के लिए एक बड़ी सुविधा है। यह न केवल सड़कों की समस्याओं को हल करने में मदद करेगा, बल्कि विकास की गति को भी तेज करेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का यह प्रयास राज्य के विकास में एक सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को अगरतला में एनईसी की बैठक की अध्यक्षता करेंगे

अगरतला । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को यहां पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी) के पूर्ण सत्र की अध्यक्षता करेंगे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बैठक में पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, आठों पूर्वोत्तर राज्यों के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। पश्चिमी त्रिपुरा के जिला मजिस्ट्रेट विशाल कुमार ने बृहस्पतिवार को बताया, "केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को एनईसी के 72वें पूर्ण सत्र की अध्यक्षता करने के लिए शुक्रवार को यहां पहुंचेंगे।" उन्होंने बताया कि एनईसी की पूर्ण बैठक के अलावा शाह वित्तीय समावेशन, ऋण वितरण, डिजिटल समावेशन आदि की समीक्षा के लिए बैंकरों के साथ भी एक बैठक करेंगे। सूचना एवं सांस्कृतिक मामलों के विभाग के निदेशक बिम्बिसार भट्टाचार्य ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि शाह रविवार को ब्रुहापारा में ब्रू (रियांग) शिविरों का भी दौरा करेंगे और धलाई जिले के मसूराईपारा में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। जुलाई 2018 में ब्रू बस्ती समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद यह पहली बार है जब केंद्रीय गृह मंत्री जमीनी हकीकत का आकलन करने के लिए इन शिविरों का दौरा करेंगे। इस समझौते के तहत ब्रू जनजाति से जुड़े 5,407 परिवारों के 32,876 लोगों को पूर्वोत्तर राज्य के 19 स्थानों पर बसाया गया है। केंद्र ने उनके पुनर्वास के लिए 661 करोड़ रुपये का विशेष पैकेज घोषित किया था। शाह राज्य से रवाना होने से पहले रविवार को रवींद्र सतबर्षिकी भवन में राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे। पश्चिम त्रिपुरा के पुलिस अधीक्षक किरण कुमार ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री के दो दिवसीय दौरे के मद्देनजर राजधानी के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। उन्होंने कहा, "केंद्रीय गृह मंत्री के दौरे और एनईसी के पूर्ण सत्र के मद्देनजर पुख्ता सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अगरतला और उसके आसपास के इलाकों में त्रिपुरा स्टेट राइफल्स (टीएसआर) के करीब 2,000 जवानों को तैनात किया गया है। इसके अलावा संवेदनशील स्थानों पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के करीब 100 जवानों को तैनात किया गया है साथ ही बीएसएफ से भारत-बांग्लादेश सीमा पर कड़ी निगरानी रखने का अनुरोध किया गया है।"

विधानसभा की वोटर लिस्ट के आधार पर ही तैयार होंगी मतदाता सूचियां-धनपत सिंह

गुरुग्राम । राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने कहा कि नगर निकाय चुनाव में मतदाता सूची तैयार करने और नए बूथ बनाए जाने के कार्य में पूर्ण पारदर्शिता होनी चाहिए। जिस वोटर का नाम विधानसभा सूची में होगा, उसी को नगर निगम या नगर परिषद की मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। राज्य चुनाव आयुक्त गुरुवार को रेस्ट हाऊस में निकाय चुनाव के लिए प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला के गुरुग्राम, मानेसर नगर निगम, पटौदी हेलीमंडी व फर्रुखनगर नगरपालिका के चुनाव करवाए जाने हैं। इन चारों निकाय ईकाईयों की मतदाता सूची तैयार करने के लिए बीएलओ अपना कार्य ईमानदारी से करें। उन्होंने कहा कि इस बार निकाय चुनाव में महिलाओं के लिए स्पेशल पिंक बूथ बनाए जाएं, जहां महिला कर्मचारी ही ड्यूटी पर होंगी। इसी प्रकार कहीं एससी वर्ग या किसी विशेष समाज के लोग अपने लिए स्पेशल बूथ बनाने का अनुरोध करते हैं तो उस पर भी विचार किया जाना चाहिए। चुनाव आयुक्त ने बैठक में ईवीएम की मांग और उसके रख-रखाव के बारे में भी अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध होने चाहिए। इस बारे में पुलिस विभाग का सहयोग लिया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निकाय चुनाव में उसी मतदाता को वोट डालने का अधिकार होगा, जिसका नाम क्षेत्र की विधानसभा सूची में दर्ज है। संबधित अधिकारी दावे और आपत्तियों का निपटान समय पर करें। उन्होंने कहा कि यह प्रयास किया जाए कि सभी मतदान केंद्र सरकारी भवनों में स्थापित किए जाएं। गुरुग्राम नगर निगम क्षेत्र में हैं 870 बूथ जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि गुरुग्राम नगर निगम में 870 बूथ हैं। यहां 36 वार्डों में 8 लाख 65 हजार 149 वोटर हैं।

इसी प्रकार मानेसर नगर निगम में 96 हजार 241 मतदाता हैं। यहां 20 वार्डों में 95 मतदान केंद्र हैं। फर्रुखनगर नगरपालिका में 14 वार्डों में 16 हजार मतदाता तथा 16 बूथ बने हुए हैं। पटौदी हेलीमंडी नगरपालिका में 40 हजार मतदाता हैं और यहां 22 वार्डों में 45 बूथ बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि गुरुग्राम, मानेसर, पटौदी हेलीमंडी व फर्रुखनगर में निकाय चुनाव के लिए 23 दिसंबर तक मतदाताओं से दावे और आपत्तियां आमंत्रित किए गए हैं। पुनरीक्षण अधिकारियों द्वारा 27 दिसंबर तक इनका निपटारा किया जाएगा। इसके बाद कोई वोटर अधिकारी के निर्णय से संतुष्ट नहीं है तो वह 31 जनवरी तक उपायुक्त के समक्ष अपील कर सकता है।

सिद्धार्थ बस्ती में लोगों ने किया विरोध

नई दिल्ली । जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र के सिद्धार्थ बस्ती स्थित आंबेडकर पार्क में गृहमंत्री अमित शाह के बयान के विरोध में लोगों ने प्रदर्शन किया। आप नेता मनीष सिसोदिया भी प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि अगर अमित शाह जी को बाबा साहेब के नाम से दिक्कत है तो देश छोड़कर कहीं और चले जाएं। हिंदुस्तान के लोग तो बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का नाम लेंगे ही, क्योंकि उन्होंने ऊंच-नीच का भेद मिटाकर सबको बराबरी से रहने का अधिकार दिया है। यही बात भाजपा वालों को चुभती है।

संक्षिप्त समाचार

केंद्र ने मणिपुर में 'संरक्षित क्षेत्र परमिट' व्यवस्था फिर से लागू की

इंफाल । केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पड़ोसी देशों से आने वाले लोगों के कारण उत्पन्न सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर मणिपुर में 'संरक्षित क्षेत्र परमिट' व्यवस्था फिर से लागू कर दी है। बुधवार देर रात जारी एक बयान में कहा गया, "इस परमिट को पुनः लागू करने के बाद, मणिपुर आने वाले विदेशियों की आवाजाही पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और उन्हें विदेशी (संरक्षित क्षेत्र) आदेश 1958 के अनुरूप आवश्यक संरक्षित क्षेत्र परमिट (पीएपी) प्राप्त करना होगा।" इसमें कहा गया है कि केंद्र ने मणिपुर, नागालैंड और मिजोरम में संरक्षित क्षेत्र परमिट की व्यवस्था को फिर से लागू कर दिया है। बयान में यह भी कहा गया है कि राज्य सरकार ने एक संगठन द्वारा जारी की गई चेतावनी पर संज्ञान लिया है जिसमें मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से कहा गया है कि वह सेनापति जिले में आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सड़क मार्ग से कांगपोकपी जिले से होकर न गुजरें। बयान में कहा गया, "जांच के बाद पाया गया है कि मणिपुर में ऐसा कोई संगठन (कुकी ज़ो काउंसिल) मौजूद नहीं है। इस समूह की उत्पत्ति और प्रामाणिकता अत्यधिक संदिग्ध है।" बयान में कहा गया है कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और इस तरह की भ्रामक गतिविधियों के पीछे की वास्तविक प्रकृति और मंशा का पता लगाने के लिए प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। सरकार ने लोगों को " सावधानी बरतने और ऐसे संदिग्ध संगठनों के बयानों या दावों पर ध्यान न देने की सलाह दी है जो भ्रम और अशांति पैदा करने के स्पष्ट इरादे से हाल ही में सामने आए हैं।"

सर्द हवाओं से ठिठुरे राजस्थान के कई इलाके

जयपुर । सर्द हवाओं ने राजस्थान के कई इलाकों में ठिठुरन बढ़ा दी है। बीते चौबीस घंटे में अनेक जगह शीतलहर दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार बीते चौबीस घंटे में राज्या में मौसम आमतौर पर शुष्क रहा। इस दौरान कहीं-कहीं शीतलहर व 'शीत दिवस' दर्ज किया गया। इस दौरान सबसे कम न्यूनतम तापमान सीकर के फतेहपुर में 2.2 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अलावा संगरिया में न्यूनतम तापमान 3.3 डिग्री, चुरू में 3.5 डिग्री, सिरोही में 4.7 डिग्री, बीकानेर में 4.8 डिग्री, जैसलमेर में 7.2 डिग्री व गंगानगर, नागौर तथा अलवर में 5.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बृहस्पतिवार सुबह राजधानी जयपुर सहित अनेक इलाकों में सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। मौसम विभाग के अनुसार सर्दी का दौर अभी जारी रहेगा।

गोवा के मुख्यमंत्री ने लोगों को दी 'गोवा मुक्ति दिवस' पर बधाई

पणजी । गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने बृहस्पतिवार को राज्य के मुक्ति दिवस पर लोगों को बधाई दी, स्वतंत्रता सेनानियों की वीरता को याद किया और उनके प्रति आभार व्यक्त किया। वर्ष 1961 में पुर्तगालियों से राज्य को मुक्त कराने के लिए सशस्त्र बलों के 'ऑपरेशन विजय' की सफलता की याद में हर साल 19 दिसंबर को गोवा मुक्ति दिवस मनाया जाता है। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए संदेश में सावंत ने कहा, "मुक्ति दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर गोवा के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं। गोवा शक्तिशाली है, और अपनी सांस्कृतिक विरासत से मजबूती से जुड़ा हुआ है।" उन्होंने कहा, "स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अपने स्वतंत्रता सेनानियों की वीरता को गौरवपूर्ण तरीके से याद करें और उनके प्रति आभार व्यक्त करें।"

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में पांच आतंकवादी ढेर

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बृहस्पतिवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में कम से कम पांच आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार आधी रात के बाद शुरू किए गए अभियान में सुरक्षा बल के दो जवान भी घायल हो गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने बुधवार रात जिले के बेहिबाग इलाके के कद्देर गांव में घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलाईं जिसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की और अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। अधिकारी ने बताया, "पांच आतंकवादियों के शव बाग में पड़े हैं लेकिन अभी तक उन्हें कब्जे में नहीं लिया गया है।"

फडणवीस और शिंदे ने नागपुर में आरएसएस संस्थापक हेडगेवार के स्मारक पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की

नागपुर । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बृहस्पतिवार सुबह यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संस्थापक डॉ. के. बी. हेडगेवार के स्मारक पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दूसरे सरसंघचालक एम. एस. गोलवलकर के स्मारक पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोरहे और सत्तारूढ़ भाजपा तथा शिंदे नीत शिवसेना के कई अन्य विधायकों ने भी डॉ. हेडगेवार और गोलवलकर की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने संघ के पदाधिकारियों से भी मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें आरएसएस का संक्षिप्त परिचय दिया। महाराष्ट्र विधानमंडल का शीतकालीन सत्र फिलहाल नागपुर में जारी है।

भाजपा नेता ओपी धनखड़ के बेटे पर हरियाणा के पंचकूला में जानलेवा हमला

चंडीगढ़ । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ के बेटे आशुतोष धनखड़ पर हरियाणा के पंचकूला में जानलेवा हमला हुआ है। उन्हें पंचकूला के सेक्टर-6 स्थित सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया है कि आशुतोष बुधवार रात सेक्टर-12 से सेक्टर-14 स्थित अपने घर जा रहे थे। घर पहुंचने से कुछ पहले एक गाड़ी ने उनकी गाड़ी को ओवरटेक किया। इस गाड़ी में करीब आधा दर्जन युवक थे। उन्होंने आशुतोष पर बेसबॉल व डंडों से हमला किया। आशुतोष की चीख सुनकर वहां कई लोग पहुंच गए और उनके परिजनों और पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही ओपी धनखड़ वहां पहुंचे और आशुतोष को सेक्टर-6 स्थित सरकारी अस्पताल ले गए। पुलिस ने कहा कि आसपास के सीसीटीवी के फुटेज को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है।

पांच आतंकवादी ढेर, दो सुरक्षाकर्मी घायल

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बृहस्पतिवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में हिज्बुल मुजाहिदीन के एक स्वयंभू शीर्ष कमांडर सहित संगठन के पांच आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने यहां यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में सुरक्षाबलों के दो जवान घायल हुए हैं। संदिग्ध आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने बीती रात जिले के बेहिबाग इलाके के कद्देर गांव में घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया। तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलाईं जिसके बाद अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। अधिकारियों के अनुसार, मारे गए आतंकवादियों में हिज्बुल मुजाहिदीन का स्वयंभू शीर्ष कमांडर फारूक अहमद भट उर्फ नाली भी शामिल है जो कथित तौर पर दक्षिण कश्मीर क्षेत्र में आतंकवाद से जुड़े कई अपराधों में संलिप्त था। उन्होंने कहा कि मुठभेड़ में मारे गए अन्य आतंकवादियों की पहचान इरफान लोन, आदिल हुसैन, मुश्ताक इटू और यासिर जावेद के रूप में हुई है और ये सभी स्थानीय निवासी थे। इलाके में तलाश अभियान जारी है और पुलिस ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए स्थानीय लोगों से मुठभेड़ स्थल के करीब न जाने की अपील की है।